जबलपुर, भोपाल, मंडला, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष- 20 अंक-274 ● जबलपुर ● गुरुवार, 5 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 11 ● विक्रम संवत् 2083

हंसकर काम करो ताकि मन हल्का रहे। तनाव के साथ काम आगे नहीं बढ़ता।

यूजर्स की पोस्ट के लिए सोशल मीडिया कंपनियां भी होंगी जिम्मेदार, सरकार सेफ हार्बर सुरक्षा खत्म करने की तैयारी में

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स (X) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की कानूनी जवाबदेही बढ़ाने की तैयारी कर रही है। सरकार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में बदलाव कर इन कंपनियों को मिलने वाली सेफ हार्बर सुरक्षा खत्म करने पर विचार कर रही है। ऐसा होने पर यूजर्स की ओर से पोस्ट किए गए कंटेंट, वीडियो और कमेंट के लिए सोशल मीडिया कंपनियों को भी कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकेगा। अभी तक इन प्लेटफॉर्म्स को यूजर्स की सामग्री के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं माना जाता। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने इस संबंध में सोशल मीडिया नियमों में संभावित बदलावों पर चर्चा शुरू कर दी है। प्रस्ताव के तहत आईटी एक्ट की धारा 79 के अंतर्गत मिलने वाली कानूनी सुरक्षा के दायरे को सीमित किया जा सकता है। सरकार इस सुरक्षा को सोशल मीडिया कंपनियों से हटाकर इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, टेलीकॉम और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स तक सीमित करने पर विचार कर रही है। वर्तमान व्यवस्था में आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को सेफ हार्बर का संरक्षण मिलता है। इसका मतलब है कि किसी यूजर की ओर से पोस्ट की गई सामग्री के लिए प्लेटफॉर्म को सामान्यतः जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता, बशर्ते वह कानून के तहत निर्धारित शर्तों और उचित सावधानियों का पालन करे। इसी व्यवस्था के चलते मेटा, गूगल और एक्स जैसी कंपनियां यूजर जनरेटेड कंटेंट के आधार पर बड़े कारोबारी साम्राज्य खड़े कर सकी हैं।सरकार के एक वर्ग का मानना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अब केवल सूचनाओं के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं रह गए हैं।



चारधाम में पारा माइनस 13 डिग्री तक लुढ़का, उप्र के 10 शहर कोहरे की चपेट में

तेलंगाना में बाढ़ के बीच दो रेस्क्यू बोट पलटीं, 11 जवान लापता; नोएडा का एक्यूआई 405 पहुंचा, कई शहरों की हवा बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी। *देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम के तेवर बदलने लगे हैं। उत्तराखंड के चारों धामों में तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है। गंगोत्री में न्यूनतम तापमान माइनस 13 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि बद्रीनाथ में पारा माइनस 9 और केदारनाथ में माइनस 8 डिग्री तक लुढ़क गया। यमुनोत्री में भी तापमान माइनस 6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। चार दिन पहले केदारनाथ में हुई बर्फबारी के बाद बर्फ अब तक नहीं पिघली है। पहाड़ी इलाकों में बढ़ती ठंड के बीच मौसम विभाग ने उत्तराखंड में 12 नवंबर तक मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है।*



उत्तर प्रदेश में भी मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सुबह और शाम ठंड का अहसास बढ़ रहा है, वहीं कई शहरों में घना कोहरा छाने लगा है। गुरुवार सुबह लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज और मेरठ समेत प्रदेश के 10 शहर कोहरे की चपेट में रहे। दूसरी ओर वायु प्रदूषण ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 405 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में है। गाजियाबाद, हापुड़ और बागपत की हवा भी रेड जोन में पहुंच गई है। इधर, तेलंगाना के खम्मम जिले में बाढ़ के बीच बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को बाढ़ के पानी में दो रेस्क्यू बोट पलट गईं। इनमें एसडीआरएफ और फायर सर्विस के 11 जवान सवार थे। सभी जवान बाढ़ में फंसे मछुआरों को बचाने के लिए अभियान पर निकले थे। नाव पलटने के बाद सभी जवान लापता हो गए। उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु में भी भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन प्रभावित है। आंध्रप्रदेश के एलुरु जिले में पेड्डा वागु नदी में आई बाढ़ के कारण पुल का स्ट्रक्चर बह गया। राजामहेंद्रवरम में पुलिसकर्मी बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने में जुटे हैं। वहीं, चेन्नई के गोपालपुरम में भारी बारिश से निचले इलाके जलमग्न हो गए। सड़क पार करने की कोशिश में कुछ लोग बाढ़ के पानी में फंस गए, जिन्हें निकालने के प्रयास किए गए। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में तूफान मुरासु के प्रभाव से लगातार दूसरे दिन बारिश जारी रही। इससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है। दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश में अगले छह दिनों तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 नवंबर तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में धूप खिलेगी, जिससे लोगों को ठंड से राहत मिल सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है।

शरद पवार फिर अस्पताल में भर्ती, डिस्चार्ज होने के कुछ घंटे बाद ही बिगड़ी तबीयत

मुंबई, यशभारत। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को बुधवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए भर्ती कराया गया। खास बात यह है कि उन्हें कुछ घंटे पहले ही पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक से छुट्टी मिली थी। सीने में सांस लेने के दौरान दर्द (प्ल्यूरिटिक पेन) की शिकायत के बाद उन्हें दो दिनों तक डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था।



अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आगे की जांच की आवश्यकता को देखते हुए उन्हें मुंबई लाया गया। उनकी बेटी और पार्टी सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फोन कर शरद पवार के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी।

भाजपा-कांग्रेस समेत 68 दलों के संविधान चुनाव आयोग के रिकॉर्ड से गायब, नौ महीने बाद भी नहीं हुआ अपडेट



नई दिल्ली, यशभारत। *राजनीतिक दलों के कामकाज में पारदर्शिता लाने और उनके संगठनात्मक ढांचे की जानकारी सार्वजनिक करने के चुनाव आयोग के निर्देशों का देश की अधिकांश राजनीतिक पार्टियां पालन नहीं कर रही हैं। आयोग के आदेश के नौ महीने बाद भी भाजपा, कांग्रेस समेत 68 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नए संविधान और संशोधित नियम सार्वजनिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो सके हैं। देश के कुल 73 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से केवल पांच ने ही आयोग के निर्देश के बाद अपने संविधान और संगठनात्मक नियमों की जानकारी अपडेट कराई है।*

चुनाव आयोग ने 8 दिसंबर 2025 को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपने संविधान में किए गए संशोधनों और संगठनात्मक नियमों की अद्यतन जानकारी आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था। इसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की आंतरिक कार्यप्रणाली, संगठनात्मक चुनाव और निर्णय लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना था। इसके बावजूद अधिकांश दलों ने अब तक इस दिशा में जरूरी कार्रवाई नहीं की है। आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध रिकॉर्ड के मुताबिक, निर्देश के बाद जिन पांच दलों ने अपने दस्तावेज अपडेट कराए हैं, उनमें एआईएमआईएम, बीजू जनता दल, रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी, वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी शामिल हैं। इसके उलट देश के छह राष्ट्रीय दलों में से किसी ने भी निर्देश के बाद अपने संविधान को नई तारीख के साथ सार्वजनिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं कराया है। इन राष्ट्रीय दलों में भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी शामिल हैं। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संविधान पर जुलाई 2022 और शिवसेना के संगठनात्मक दस्तावेज पर मई 2022 की तारीख दर्ज है। इससे राजनीतिक दलों के संगठनात्मक दस्तावेजों को नियमित रूप से अपडेट करने की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।



हैदराबाद में 6.78 करोड़ के जाली नोट बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। *तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में पुलिस ने नकली नोट बनाने और उन्हें बाजार में चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6.78 करोड़ रुपये मूल्य के जाली नोट बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, बरामद सभी नोट 500 रुपये के हैं।*

फ्यूचर सिटी के पुलिस कमिश्नर तरुण जोशी ने बताया कि अब्दुल्लापुरमेट पुलिस और शादनगर स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। एक नवंबर को राष्ट्रीय राजमार्ग-65 पर रामोजी फिल्म सिटी के पास पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोककर उसमें सवार आरोपियों को पकड़ा। कार की तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में नकली नोट मिले। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर जाली नोटों के स्रोत और उनके इस्तेमाल के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गिरोह नकली नोट कहां छापता था और उन्हें बाजार में किस तरह पहुंचाता था। पुलिस अब गिरोह के नेटवर्क, नकली नोट छापने के ठिकाने और इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच जारी है। बरामद नोटों की मात्रा को देखते हुए पुलिस इस गिरोह के अन्य संपर्कों और संभावित सहयोगियों का भी पता लगा रही है।

अमेरिकी चुनाव के असर से शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल, सेंसेक्स 1400 अंक चढ़ा

निफ्टी में 400 अंकों की तेजी, बैंकिंग और ऑटो शेयरों में जोरदार खरीदारी; कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा बढ़ा

मुंबई, यशभारत। *अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को संसद में बहुमत गंवाने के बाद भारतीय शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली। गुरुवार 5 नवंबर को कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1400 अंक (1.75 प्रतिशत) उछलकर 78,700 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी में भी करीब 400 अंकों की बढ़त दर्ज की गई और यह 24,350 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। बाजार में बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली।*

शेयर बाजार में इस तेजी के पीछे अमेरिकी चुनाव के नतीजों और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट को प्रमुख वजह माना जा रहा है। अमेरिकी कांग्रेस में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प पर अपनी नीतियों को लेकर राजनीतिक दबाव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसका असर वैश्विक बाजारों पर भी दिखाई देने लगा है। दरअसल, अमेरिका में राजनीतिक समीकरण बदलने के बाद अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने का दबाव बढ़ने की उम्मीद है। निवेशकों को आशंका है कि युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा कीमतों में अब नरमी आ सकती है। इसी उम्मीद के चलते कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत गिरकर 94 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। दोनों ही प्रमुख कच्चे तेल के मानक करीब दो महीने के निचले स्तर पर आ गए हैं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए राहत भरी मानी जाती है। इससे देश के आयात बिल, महंगाई और कंपनियों की उत्पादन लागत पर सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद रहती है। यही वजह है कि वैश्विक घटनाक्रम के बीच घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ और बाजार में चौतरफा खरीदारी का माहौल बना।



ईगल बैटरी



सोलर इनवर्टर बैटरी

लाईफ मैडीसिटी हॉस्पिटल के सामने आगा चौक

मो.न. 9200792000



Intenics
Solar And Hybrid Lighting
Save Electricity Save Wiring 2 year warranty*
Made In India



Inviting Distributers And Dealers
intenicspvtltd intenics.in
7880024499, 7880024466

विशुद्ध डेल्य केयर
माइक्रोबायोलॉजी एवं पैथोलॉजी लैब
• ब्लडप्रेशर • डाइबिटीज • अस्थमा
• हृदय एवं थायराइड रोग हेतु समर्पित सेंटर
डॉ. अंकित सेठ
एम.डी., कंसल्टेंट फिजिशियन, डायबेटोलॉजिस्ट
डॉ. रीति सेठ
कंसल्टेंट माइक्रोबायोलॉजिस्ट
पता– 2365, राईट टाउन, P & T गेट नं. 4 के पास, मदन महल स्टेशन रोड, जबलपुर
Ph.: 0761-4035454, M: 9752000122

दिल्ली में निर्माणाधीन इमारत ढही, चार लोगों का रेस्क्यू, दो के मलबे में दबे होने की आशंका



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चावड़ी बाजार इलाके में गुरुवार सुबह एक तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत अचानक ढह गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इमारत के मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका के बीच राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। बचाव दल ने अब तक चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि दो अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल पर एनडीआरएफ की टीम और दमकल विभाग की छह गाड़ियां तैनात हैं। मलबा हटाने और अंदर फंसे लोगों को तलाशने का काम जारी है। जानकारी के अनुसार, हादसा गुरुवार सुबह करीब 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के नजदीक गली सितारा में हुआ। तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। इमारत गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। इसके बाद राहत एवं बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर अभियान शुरू किया। बचाव कार्य में पानी के टैंकर और विशेष रेस्क्यू वाहन भी लगाए गए हैं। मलबे में दबे लोगों तक पहुंचने के लिए सावधानीपूर्वक मलबा हटाया जा रहा है।

अबू धाबी में मनाया गया भगवान बिरसा मुंडा का जयंती समारोह

प्रवासी भारतीयों ने दिखाई सांस्कृतिक एकजुटता



अबू धाबी, यशभारत। बिहार एंड झारखंड समाज, अबू धाबी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा दिवस के अवसर पर भारतीय दूतावास, अबू धाबी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रगीतों के गायन तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और आदिवासी संस्कृति पर आधारित बनाई गई पेंटिंग्स की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ ही महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जीवन और उनके योगदान को रेखांकित किया। समारोह को संबोधित करते हुए भारतीय राजदूत डॉ. दीपक मित्तल ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष, साहस और देश की आजादी में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन देशभक्ति, सामाजिक चेतना और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विदेश में रहते हुए भी भारतीय संस्कृति, परंपराओं और महापुरुषों की विरासत को जीवित रखने के लिए बिहार एंड झारखंड समाज सहित अबू धाबी में रह रहे प्रवासी भारतीयों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान अबू धाबी में निवासरत विभिन्न प्रदेशों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में महिलाओं और बच्चों ने नृत्य एवं गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। भारतीय लोक संस्कृति और परंपराओं पर आधारित इन प्रस्तुतियों ने आयोजन को उत्साह, उमंग और रंगों से भर दिया। विदेश की धरती पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलक देखने को मिली। पूरे कार्यक्रम में देशप्रेम, सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण बना रहा।



नागौर में बारूद बनाते समय विस्फोट, दो भाइयों की मौत दूर तक बिखरे शवों के टुकड़े

नागौर, ईएमएस। राजस्थान के नागौर जिले में गुरुवार सुबह बारूद बनाने के दौरान हुए भीषण विस्फोट ने इलाके में दहशत फैला दी। बड़ली इलाके में स्थित बारूद के गोदाम में सुबह करीब 9.40 बजे अचानक धमाका हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि वहां काम कर रहे दो चचेरे भाइयों के शरीर के कई टुकड़े हो गए। शवों के हिस्से करीब 15 फीट दूर तक बिखर गए। हादसे में 28 वर्षीय मोहम्मद आमिर सौरगर और 32 वर्षीय मुजिद सौरगर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग गोदाम के बाहर जमा हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जिस गोदाम में विस्फोट हुआ, वहां कथित तौर पर अवैध तरीके से पोटेशियम नाइट्रेट मिलाकर बारूद तैयार किया जा रहा था। गोदाम का मालिक अमीन बताया जा रहा है। हालांकि, बारूद बनाने के दौरान अचानक इतना बड़ा विस्फोट कैसे हुआ, इसकी वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। नागौर के पुलिस अधीक्षक जतिन जैन के अनुसार, फैक्ट्री के खुले आंगन में बिजली का पोल भी लगा हुआ था। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी के कारण बारूद में आग लगने और विस्फोट होने की आशंका जताई जा रही है।

ट्रंप की चुनावी हार पर ईरान में जश्न, तेहरान में अमेरिकी और इस्राइली नेताओं के पोस्टर जलाए

तेहरान, एजेंसी। *अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को लगे बड़े झटके का असर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी दिखाई देने लगा है। चुनावी नतीजों के बाद ईरान की राजधानी तेहरान में सरकार समर्थकों और कट्टरपंथी समूहों ने जश्न मनाते हुए अमेरिका और इस्राइल के शीर्ष नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान रिपब्लिकन पार्टी के कमजोर प्रदर्शन को लेकर उत्साह भी दिखाई दिया।*

ईरान में इन प्रदर्शनों को ट्रंप प्रशासन की नीतियों और दोनों देशों के बीच जारी तनाव के संदर्भ में देखा जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चुनावी नतीजों को ट्रंप की राजनीतिक मुश्किलों से जोड़कर पेश किया। ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव तथा इस्राइल के साथ अमेरिका की नजदीकी लंबे समय से तेहरान की राजनीति में विरोध का प्रमुख मुद्दा रही है।



महंगाई और ईरान युद्ध ने बढ़ाई ट्रंप की मुश्किलें

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को हुए नुकसान के पीछे घरेलू अर्थव्यवस्था और विदेश नीति से जुड़े मुद्दों को अहम माना जा रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान पेट्रोल की बढ़ती कीमतें, रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की महंगाई और ईरान के साथ सैन्य टकराव मतदाताओं के बीच चर्चा के प्रमुख विषय रहे। डेमोक्रेटिक पार्टी ने इन मुद्दों को उठाकर ट्रंप प्रशासन को घेरा। माना जा रहा है कि महंगाई और युद्ध से पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता ने रिपब्लिकन पार्टी के खिलाफ माहौल बनाने में भूमिका निभाई। ईरान से जुड़े संघर्ष को लेकर अमेरिकी नागरिकों की चिंता भी ट्रंप प्रशासन के लिए चुनौती बनी। युद्ध के आर्थिक प्रभावों और विदेश नीति को लेकर उठे सवालों ने चुनावी बहस को प्रभावित किया। नतीजों के बाद ईरान में हुए प्रदर्शनों को इसी राजनीतिक घटनाक्रम की अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप बोले- दोबारा मौका मिला तो ईरान पर करेंगे हमला

चुनावी झटके के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, जिससे अमेरिकी नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ा। हालांकि, उनका कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना जरूरी था।

ट्रम्प ने माना- ईरान जंग के कारण मिडटर्म हार

मौका मिला तो फिर करेंगे हमला



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्वीकार किया है कि ईरान के साथ युद्ध का असर मिडटर्म चुनाव में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के प्रदर्शन पर पड़ा और उसे बड़ा राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा। चुनाव में पार्टी दोनों सदनों में अपना बहुमत गंवा चुकी है। इसके बावजूद ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को सही ठहराते हुए साफ कहा कि अगर उन्हें दोबारा फैसला लेने का मौका मिला तो वह फिर हमला करेंगे। उनका कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई करना जरूरी था और इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं था।रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने माना कि ईरान के साथ युद्ध के चलते कुछ समय के लिए अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। इसका असर आम अमेरिकी नागरिकों पर पड़ा और चुनाव में मतदाताओं की नाराजगी भी सामने आई। हालांकि, ट्रम्प ने इस आर्थिक दबाव को सैन्य कार्रवाई रोकने की वजह मानने से इनकार कर दिया।

व्हीएफजे दे रहा तारीख पर तारीख, मगर पैसा नहीं

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के रक्षा का आदेश लेकिन सेवानिवृत परेशान, करीब पौने 3 हजार संबंधित हैं वंचित

जबलपुर यश भारत। ओवर टाइम बोनस को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 9 माह पूर्व ओवर टाइम बोनस एरियर्स को लेकर कर्मचारियों के पक्ष में फैसला दे दिया था।इसके अनुपालन में सेवारत कर्मचारियों को ओ टी बोनस एरियर्स का भुगतान तो कर दिया गया। लेकिन करीब ढाई हजार सेवानिवृत कर्मचारियों को अब तक भुगतान नहीं किया जा सका है। इस संबंध में प्रबंधन से अनेक बार जानकारी ली। प्रबंधन उनके भुगतान को लेकर मना तो नहीं कर रहा है।लेकिन यह अभी तक निश्चित नहीं बता पा रहे हैं कि किस तिथि तक उन बुजुर्ग सेवानिवृतों का भुगतान होगा। उल्लेखनीय है कि 6 वें वेतनमान लागू होने के बाद रक्षा उत्पादन विभाग ने जनवरी 2009से कर्मचारियों को मिलने वाले ओ टी बोनस के फार्मूले से एच आर ए,सी सी ए को विलोपित कर दिया था। इसको लेकर केट से सुप्रीम कोर्ट तक मामला चलता रहा। मार्च में सुप्रीम कोर्ट में दायर पुनर्विचार याचिका को सिरे से खारिज कर दिया था और सभी पात्र कर्मचारियों को ओ टी बोनस एरियर्स देने का आदेश पारित किया था। जिसके बाद सभी कर्मचारियों को जो वर्तमान में विभिन्न निगमों में मानक नियुक्ति पर हैं। सेवानिवृत और स्थानांतरित कर्मचारियों को छोड़कर शेष को



भुगतान किया जा चुका है।इसके बाद रक्षा उत्पादन विभाग ने 16सितंबर 2026 को सभी निगमों की निर्माणियों को सेवानिवृत और स्थानांतरित कर्मचारियों को ओ टी बोनस एरियर्स भुगतान के स्पष्ट निर्देश दे दिए थे। उसके अनुपालन में एवीएनएल को छोड़कर शेष सभी आयुध निर्माणियों में भुगतान कर दिया गया है। लेकिन एवीएनएल के तहत आने वाली व्हीएफजे में अब तक शेष करीब पौने तीन हजार पात्रों को ओ टी बोनस एरियर्स का भुगतान करने में अज्ञात विलंब किया जा रहा है। संपर्क करने पर पहले अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में भुगतान का आश्वासन दिया गया था। लेकिन अब पुनः नवंबर माह में भुगतान करने का आश्वासन दिया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार एआईडीईएफ के राष्ट्रीय महासचिव सी श्री कुमार ने एवीएनएल के एच आर से संपर्क कर जल्दी भुगतान की मांग की है।

ये बोले पीआरओ

सेवानिवृत कर्मचारियों के ओवर टाइम बोनस एरियर्स भुगतान के मामले में क्यों देर हो रही है। संबंधित विभाग से जानकारी लेकर ही कुछ कहा जा सकता है।

हर्ष भटनागर
पीआरओ/व्हीएफजे

केंद्रीय पेंशनभोगियों के लिए बड़ी खबर

महंगाई राहत में 3% की बढ़ोतरी

जबलपुर, यशभारत। केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों और परिवार पेंशनभोगियों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक ज्ञापन के अनुसार, केंद्र सरकार ने महंगाई राहत (DR) की एक अतिरिक्त किस्त जारी करने का निर्णय लिया है। संशोधित दरों के तहत, मूल पेंशन या परिवार पेंशन (अतिरिक्त पेंशन/परिवार पेंशन सहित) पर मिलने वाली महंगाई राहत की मौजूदा दर को 60% से बढ़ाकर 63% कर दिया गया है। यह बढ़ी हुई दरें 1 जुलाई 26 से प्रभावी होंगी। सरकार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, महंगाई राहत की ये बढ़ी हुई दरें सभी केंद्रीय सरकारी पेंशनभोगियों और परिवार पेंशनभोगियों पर लागू होंगी । बैंकों और अधिकारियों को निर्देशः महालेखाकार के कार्यालयों और अधिकृत पेंशन वितरण करने वाले बैंकों को यह निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना किसी अन्य देरी या प्रतीक्षा के इन निर्देशों के आधार पर डीआर का भुगतान सुनिश्चित करें।

03 माह के बालक विक्रम सेन की मुंबई में सफल हार्ट सर्जरी

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आयुष्मान भारत योजना का मिला लाभ



जबलपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से हृदय रो÷ से ≠सित 03 माह के बालक विक्रम सेन को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क सफल सर्जरी का लाभ मिला। जिला प्रबंधक राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम सुभाष शुक्ला से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालक विक्रम सेन पिता संतोष सेन निवासी शिवराज सिंह नगर, ललपुर, गौरीघाट, हृदय रोग से ग्रसित था। शहरी स्वास्थ्य नोडल अधिकारी डॉ. अमजद खान के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य परीक्षण हेतु पहुंची आर.बी.एस.के. टीम की डॉ. सुमेधा झा एवं डॉ. माधुरी मिश्रा द्वारा बालक में हृदय रोग की पहचान की गई। टीम द्वारा इसकी जानकारी डी.ई.आई.एम. सुभाष शुक्ला को दी गई। उनके द्वारा जिला अस्पताल के विषय विशेषज्ञों से बालक की जांच कराई गई तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. नवीन कोठारी से आवश्यक अनुशंसा प्राप्त की गई। नारायणा हृदयालय मुंबई में बालक की सफल हृदय सर्जरी निःशुल्क संपन्न की गई तथा उसे स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया किया। बालक की सफल सर्जरी के उपरांत परिजनों ने मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन, जिला प्रशासन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन डॉ. नवीन कोठारी, जिला नोडल अधिकारी डॉ. अमजद खान, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एन.एच.एम., डी.ई.आई.एम. एवं जिला प्रबंधक सुभाष शुक्ला, नारायणा हृदयालय मुंबई की चिकित्सकीय टीम तथा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समस्त टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

दीपक सैनी ने किया 49 वा रक्तदान

ओएफके में नेवी टीम के तत्वावधान में रक्तदान शिविर, 41 यूनिट रक्तदान



जबलपुर। ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में नेवी टीम के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में जबलपुर ब्लड सेंटर द्वारा महत्वपूर्ण सहभागिता निभाई गई। शिविर में कुल 41 यूनिट रक्तदान किया गया। मौके पर दीपक सैनी ने अपना 49 वां रक्तदान किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं मानव सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना था।इस आयोजन को सफल बनाने में जबलपुर ब्लड डोनेशन सोसायटी एवं खमरिया सेवा समिति का विशेष योगदान रहा। रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया। जबलपुर ब्लड सेंटर की टीम द्वारा रक्त संग्रहण एवं आवश्यक चिकित्सकीय व्यवस्थाओं का संचालन किया गया।आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, नेवी टीम के सदस्यों, जबलपुर ब्लड सेंटर, जबलपुर ब्लड डोनेशन सोसायटी एवं खमरिया सेवा समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है, जिसके माध्यम से किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है।रक्तदान महादान है, आपका दिया हुआ रक्त किसी के जीवन की नई उम्मीद बन सकता है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने की गोरखपुर, मदनमहल सदर और तिलहरी में मिठाई दुकानों की सघन जांच

जबलपुर। खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने तथा उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने निर्देश दिए हैं। जिसके मद्देनजर चलाये जा रहे अभियान के तहत खाद्य सामग्री के विर य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण की कार्यवाही जारी रही।



खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोरखपुर स्थित बीकानेर से मलाई कतली और मावा बर्फी तथा राज स्वीट गोरखपुर एवं हीरा स्वीट मदन महल से मठरी और गुझिया के सैंपल लिए गए।

इसी प्रकार सदर स्थित मधुकलश से नमकीन के, ओवन क्लासिक तिलहरी से नमकीन, चिप्स और क्रीम रोल के सेम्पल लिए गये । खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान लिए गये सभी सैंपल जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं, तो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा संबंधित नियमों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।



भारतीय किसान संघ ने सीएम मोहन यादव को ज्ञापन सौंपा

जबलपुर यशभारत। भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के पदाधिकारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवास पर आयोजित 'किसान मंच' की बैठक में महाकौशल प्रांत के विभिन्न जिलों की किसानों की प्रमुख समस्याओं व मांगों को मजबूती से रखा। सर्वप्रथम भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल, प्रमोद चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने दीपावली के अवसर जबलपुर के जीआई टैग प्राप्त सिंघाड़ा की टोकनी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को उपहार स्वरूप भेंट की। बैठक में हुई चर्चा के बारे जानकारी देते हुए प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बताया कि संगठन द्वारा मुख्यमंत्री को एक विस्तृत ज्ञापन पत्र सौंपा गया है, जिसमें किसानों के हित में त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से छतरपुर जिले में मूंगफली की खरीद पर खरीदी करने, नरसिंहपुर के तहसील गोटेगांव में मटर के लिए स्थाई मंडी बनाने, नरसिंहपुर में सहकारी गन्ना मिल खोलने, बेलखेड़ा के 100 से अधिक गावों के मटर उत्पादक किसानों को अपनी फसल सहजपुर व जबलपुर मंडी तक लाने के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाने, तहसील शहपुरा (सहजपुर) में मटर के लिए सर्व-सुविधा युक्त मंडी का निर्माण, सतना में शासकीय मंडियों में खरीदी सुनिश्चित करने, छिंदवाड़ा के कृषि पंपों को वर्ष में 2 बार एग्रीकल्चर लाइट दर पर बिल देने की मांग, महाकौशल प्रांत में बिजली बिल में लगा हुआ अधिभार पूर्णतः माफ करने, रबी सीजन में 10 घंटे निर्बाध बिजली की मांग प्रमुखता से शामिल है।

जबलपुर के व्यवसायी नितिन जैन जगदलपुर में सीए सदस्यों को बताएंगे जीएसटी के नए नियम



जबलपुर, यशभारत । मध्य भारत के अग्रणी सेवा प्रदाता पीसी प्लेनेट के संस्थापक नितिन जैन को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के जगदलपुर CPE चैप्टर द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह में विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम 12 नवंबर को जगदलपुर के शगुन फार्म्स में आयोजित होगा। इस अवसर पर नितिन जैन GST के नए नियमों, अनुपालन की प्रक्रिया एवं नवीन TallyPrime की उपयोगिता पर CA सदस्यों के साथ परिचर्चा में हिस्सा लेंगे। इस सत्र में TallyPrime के नए फीचर्स एवं ऑटोमेशन के माध्यम से जीएसटी और इनकमटैक्स संबंधी कार्यों को अधिक सरल, तेज एवं प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है इसकी विस्तृत जानकारी दी जाएगी। बिजनेस टेक्नोलॉजी एवं IT सॉल्यूशंस के क्षेत्र में 20 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले नितिन जैन के नेतृत्व में पीसी प्लेनेट टैली सॉल्यूशंस, क्लाउड सर्विसेज, सॉफ्टवेयर इंटीग्रेशन एवं स्मार्ट क्लास और मीटिंग रूम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कार्यरत है।जगदलपुर CPE चैप्टर के कार्यक्रम संयोजक CA विवेक सोनी एवं सह-संयोजक CA नीरव मोटीवाला ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य CA सदस्यों को GST के बदलते प्रावधानों एवं आधुनिक तकनीकी समाधानों की जानकारी देंगे।

गढ़ाफाटक स्थित भैरव बाबा मंदिर में महाआरती आज

जबलपुर । शहर के गढ़ाफाटक मेन रोड स्थित लोहिया पुल के पास प्राचीन भैरव मंदिर प्रांगण में 10 दिवसीय जवारा एवं धार्मिक अनुष्ठान का कार्यक्रम पारंपरिक रूप से आरंभ हो चुका है। भैरवनाथ मंदिर लोक न्यास के अध्यक्ष राजकुमार साहू एवं समस्त ट्रस्टीगण ने बताया कि यह कार्यक्रम पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से निरंतर पारंपरिक तरीके से आयोजित किया जाता आ रहा है। आज पंचमी पर महाआरती का रात्रि 10 बजे से होगी। अष्टमी की महाआरती रात्रि 12:00 बजे से संपन्न होगी। 9 नवंबर को जवारे विसर्जन का कार्यक्रम दोपहर 3:00 बजे से प्रारंभ होगा। विसर्जन जुलूस दीपावली के दूसरे दिन भैरव मंदिर प्रांगण, मेन रोड गढ़ाफाटक से दोपहर 3:00 बजे आरंभ होकर रानीताल घाट की ओर प्रस्थान करेगा।

सुधीर सोनू दुबे बने कांग्रेस सेवादल के जबलपुर शहर मुख्य संगठक



जबलपुर। यशभारत। कांग्रेस सेवादल में संगठनात्मक नियुक्ति करते हुए सुधीर सोनू दुबे को जबलपुर शहर का मुख्य संगठक नियुक्त किया गया है। राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा, मध्यप्रदेश सेवादल के मुख्य संगठक एवं प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव, प्रदेश प्रभारी प्रताप नारायण मिश्र तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक मिश्रा की अनुशंसा पर यह नियुक्ति की गई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने इस नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की। नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है। माना जा रहा है कि नई जिम्मेदारी के साथ शहर में कांग्रेस सेवादल की संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलेगी।

प्लेटफॉर्म पर गांजे की खेप लेकर घूम रहा था आरोपी



जीआरपी ने दबोचा.पिट्ठू बैग से निकले गांजे के चार पैकेट

जबलपुर यशभारत। रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थों की अवैध तस्करी और परिवहन पर अंकुश लगाने जीआरपी की चेकिंग लगातार जारी है। इसी कड़ी में जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 2-3 पर चेकिंग के दौरान जीआरपी ने एक संदिग्ध युवक को पकड़कर उसके पिट्ठू बैग की तलाशी ली। बैग के अंदर गांजे के चार पैकेट मिलने से पुलिस भी सतर्क हो गई। तौल कराने पर कुल 4.145 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 3 हजार 625 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। इस संबंध में जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध गतिविधियों और अवैध मादक पदार्थों के परिवहन पर नजर रखने के लिए जीआरपी द्वारा की जा रही चेकिंग के दौरान यह कार्रवाई की गई। इसी तारतम्य में जीआरपी थाना जबलपुर की टीम प्लेटफॉर्म क्रमांक 2-3 पर जांच कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस के हत्थे चढ़ा। संदेह के आधार पर जब उससे पूछताछ की गई और उसके पास मौजूद पिट्ठू बैग की तलाशी ली गई तो उसमें गांजे के चार पैकेट रखे मिले।पुलिस ने विधिवत कार्रवाई करते हुए इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन से गांजे का वजन कराया, जो कुल 4.145 किलोग्राम निकला। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 1,03,625 रुपये आंकी गई है। पूछताछ के दौरान आरोपी मादक पदार्थ के परिवहन और कब्जे के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।जीआरपी ने आरोपी अचिन कुमार दुबे उर्फकल्लू (35), निवासी ग्रीन सिटी, ड्रीमलैंड फेस-1, थाना मदनमहल, जबलपुर को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

मामले में गांजे के परिवहन से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर विवेचना की जा रही है। उक्त कार्रवाई में एएसआई गोपाल सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक मनोज मिश्रा, आनंद यादव, कृष्णकांत तिवारी, गोपाल, रविकांत, परशुराम एवं अरुण तिवारी तथा सीआईबी के प्रधान आरक्षक पुष्पेन्द्र सिंह और आरक्षक भवानी सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

ग्रामीण विकास के निर्माण कार्यों में देरी पर समिति सख्त

जबलपुर यशभारत। ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने और निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने को लेकर जिला पंचायत की संचार संकर्म स्थाई समिति ने गंभीरता दिखाई है। जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समिति की बैठक में ग्रामीण सड़कों, लोक निर्माण विभाग के भवन एवं सड़क निर्माण कार्यों सहित जनपद पंचायतों के अंतर्गत चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब न किया जाए. बैठक में समिति सभापति ठाकुर सत्येन्द्र सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब न किया जाए और सभी अधूरे कार्य तय समय-सीमा में पूरे कराए जाएं। उक्त बैठक के दौरान ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की प्रधानमंत्री सड़क परियोजना क्रियान्वयन इकाई जबलपुर के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति, निर्माण कार्यों की वर्तमान प्रगति तथा शेष बचे कार्यों को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली गई। सभापति ने विशेष रूप से ग्रामीण मार्गों के सोल्डर निर्माण की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि सड़क निर्माण के साथ-साथ सोल्डर का कार्य भी समय पर पूरा होना आवश्यक है। सोल्डर अधूरे रहने से ग्रामीणों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए संबंधित अधिकारी इस कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण कराएं।



लोक निर्माण विभाग के कार्यों की भी समीक्षा

बैठक में लोक निर्माण विभाग जबलपुर के भवन एवं सड़क निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति, निर्धारित समय-सीमा और कार्यों को पूर्ण कराने से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा हुई। इसके अलावा विभिन्न जनपद पंचायतों के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समिति ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और विभागीय स्तर पर नियमित निगरानी करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

बैठक में यह रहे उपस्थित

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया सहित संचार संकर्म स्थाई समिति के सभापति ठाकुर सत्येन्द्र सिंह, सदस्य इन्द्र कुमार पटेल, श्रीमती रानू साहू एवं राजेश ठाकुर उपस्थित रहे। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भी बैठक में सहभागिता की। बैठक में अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई।

सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई मनमानी, आरपीएफकी कार्रवाई

जबलपुर यशभारत। रेलवे स्टेशन परिसर में अनाधिकृत प्रवेश और नो-पार्किंग में वाहन खड़े करना ऑटो चालकों को महंगा पड़ रहा है। आरपीएफ ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों की पहचान कर 48 प्रकरण दर्ज किए और 24 हजार रुपए का जुर्माना वसूला। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि स्टेशन परिसर में ऑटो चालकों द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश और नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़े करने की शिकायतें मिल रही थीं। इससे यात्रियों के आवागमन में परेशानी और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। इस पर सीसीटीवी फुटेज के जरिए निगरानी बढ़ाई गई और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। आरपीएफने स्पष्ट किया है कि स्टेशन परिसर में निगरानी लगातार जारी रहेगी। नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ऑटो चालकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई है।

कैंट विधायक रोहाणी ने किया तालाबों और छठ घाटों का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश



जबलपुर. दीपावली और छठ महापर्व के मद्देनजर कैंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने कार्यकर्ताओं व अधिकारियों के साथ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न तालाबों और पूजा घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने आधारताल, एस.ए.एफ और मानेगांव तालाब पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। विधायक श्री रोहाणी ने अधिकारियों को पर्व से पूर्व सभी घाटों पर बेहतर साफ-सफाई, सुंदर सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घाटों पर पर्याप्त विद्युत व्यवस्था, आकर्षक रोशनी और सुगम आवागमन के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान मंडल अध्यक्ष पुष्पराज सिंह सेंगर, पार्षद दामोदर सोनी, ऋषि यादव, बाबा श्रीवास्तव, अनुराग दहिया सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

आधी सदी तक बिजली व्यवस्था का साथी रहा पावर ट्रांसफार्मर रिटायर

जबलपुर । पांच दशक तक प्रदेश की बिजली व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा रहे एवं बदलते दौर के साथ प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति का साक्षी बने सीहोर जिले के इछावर स्थित 132 केवी सबस्टेशन में 20 एम वी ए क्षमता के पुराने पावर ट्रांसफार्मर को वर्षों तक उसके साथ काम करने वाले एमपी ट्रांसको के कार्मिकों ने भावुक मन से विदाई दी।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने इछावर सबस्टेशन में वर्ष 1975 में भारत बिजली लिमिटेड द्वारा निर्मित 20 एमवीए क्षमता के इस पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर अब 50 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। आधी सदी पहले ऊर्जीकृत हुआ यह ट्रांसफार्मर विभिन्न सब स्टेशनों में लंबे सेवाकाल के दौरान बदलती विद्युत जरूरतों और बढ़ते बिजली भार के बीच प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा।



ट्रांसफार्मर की कार्यशील आयु 25 वर्ष

विद्युत प्राधिकरण के निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार सामान्यतःपावर ट्रांसफार्मर की कार्यशील आयु 25 वर्ष मानी जाती है। हालांकि, मध्य प्रदेश विद्युत मंडल, मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मंडल तथा मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं एवं तकनीकी कार्मिकों द्वारा समय-समय पर किए गए प्रिवेंटिव मेंटेनेंस, नियमित परीक्षण और उचित रखरखाव के परिणामस्वरूप यह ट्रांसफार्मर अपनी निर्धारित कार्यशील आयु से दोगुने से भी अधिक, लगभग 51 वर्षों तक विद्युत सेवा में कार्यरत रहा।

जबलपुर के झालर बाजार में इस बार 'मेड इन इंडिया' का दबदबाः चाइनीज लाइटिंग से कड़ी टक्कर



यश भारत , जबलपुर। रोशनी के महापर्व दीपावली को लेकर संस्कारधानी जबलपुर के इलेक्ट्रॉनिक बाजारों में जबर्दस्त रौनक छाई हुई है। शहर के मुख्य व्यापारिक केंद्रों–जैसे फुहारा, लार्डगंज, गढ़ा बाजार और बड़ा फुहारा की दुकानों पर रंग-बिरंगी झालरों और सजावटी लाइट्स की खरीदारी के लिए ग्राहकों का हुजूम उमड़ रहा है। इस बार जबलपुर के बाजार में 'मेड इन इंडिया' और 'चाइनीज' लाइटिंग के बीच सीधा और दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है।

स्थानीय इलेक्ट्रॉनिक कारोबारियों के अनुसार, पिछले सालों की तुलना में इस बार जबलपुर के ग्राहकों की सोच और पसंद में बड़ा बदलाव आया है। चीनी सामान की मोनोपोली खत्म हो रही है और स्वदेशी उत्पादों की तरफग्राहकों का रुझान तेजी से बढ़ा है।

बाजार का गणित: चाइनीज बनाम मेड इन इंडिया झालर

(एक तुलनात्मक विश्लेषण)

विशेषता	चाइनीज झालर	मेड इन इंडिया झालर
1. (कीमत)	30% से 50% तक सस्ती	चाइनीज से थोड़ी महंगी
2. (वायर क्वालिटी)	पतला एल्युमीनियम/ मिक्स वायर	मोटा शुद्ध कॉपर वायर
3. (लाइफ)	1 सीजन (सिंगल यूज़)	3 से 5 साल (रिपेयर योग्य)
4. (जबलपुर में शेयर)	50% (बजट सेगमेंट)	50% (क्वालिटी व सुरक्षा सेगमेंट)

बाजार की मुख्य स्थितियां

कीमत-टिकाऊपन: चाइनीज झालरें अपनी कम कीमत और नित-नए फैंसी डिज़ाइनों के कारण बजट ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई हैं। वहीं, भारतीय झालरें अपने मोटे कॉपर वायर और लॉन्ग-लाइफ के दम पर पकड़ बना चुकी हैं।

सुरक्षा-री-यूज़ेबिलिटी: चीनी झालरों में पतले वायर का इस्तेमाल होने से शॉर्ट-सर्किट का जोखिम अधिक रहता है और खराब होने पर इन्हें सुधारा नहीं जा सकता। दूसरी ओर, मेड इन इंडिया झालरें पूरी तरह सुरक्षित हैं।

स्थानीय मांग के अनुसार सप्लाई: जबलपुर के थोक व्यापारी इस बार दिल्ली के भागीरथ पैलेस और गुजरात के मैन्युफैक्चरिंग हब्स से भारी मात्रा में स्वदेशी और हाई-क्वालिटी असेंबल झालरें मंगवा रहे हैं।

14 साल से पदोन्नति का इंतजार, मेडिकल कॉलेज प्रशासन को 10 दिन का अल्टीमेटम

जबलपुर,यशभारत।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर में कर्मचारियों की लंबित पदोन्नति का मामला एक बार फिर गरमा गया है। मध्य प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संघ ने कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिलाने के लिए मेडिकल कॉलेज प्रशासन को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है। संघ ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय में प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर, लिपिक वर्ग, टेक्नीशियन एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी पिछले लगभग 14 वर्षों से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। राज्य शासन के निर्देशों के बावजूद जबलपुर मेडिकल कॉलेज में पदोन्नति की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है, जबकि प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों में नियमानुसार पदोन्नति की



कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक सेवा देने के बाद भी कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। संघ ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन से सभी पात्र कर्मचारियों की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ कर उन्हें नियमानुसार लाभ प्रदान करने की मांग की है। यदि आगामी 10 दिनों में पदोन्नति संबंधी कार्यवाही शुरू नहीं की गई तो संघ कर्मचारियों के हित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।



महाकोशल कॉलेज में दिव्यांगों के साथ मनाया दीपोत्सव

जबलपुर. प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ खुशियां बांटकर पंचमहोत्सव पर्व का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों को मिठाई एवं वस्त्र भेंट किए गए। उपहार पाकर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह झलक उठा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच आत्मीयता, अपनत्व और खुशियां साझा करने का संदेश देना रहा। कार्यक्रम के दौरान डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. महेंद्र कुशवाहा, डॉ. तरुणेंद्र साकेत एवं मनीष रघुवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्लेटफार्म पर मिला अज्ञात वृद्ध का शव

जीआरपी जांच में जुटी

जबलपुर यशभारत। मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर एक अज्ञात वृद्ध का शव मिलने से स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर जीआरपी थाना जबलपुर की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वृद्ध की मृत्यु अज्ञात बीमारी के चलते होना बताई जा रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता जांच और चिकित्सकीय परीक्षण के बाद ही चल सकेगा। जीआरपी के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 60 वर्ष है। उसका रंग सांवला, कद करीब 5 फीट 2 इंच और शरीर इकहरा है। मृतक ने स्लेटी रंग की टी-शर्ट और काले रंग का लोअर पहन रखा था। उसकी सफेद दाढ़ी-



मूंछ और सिर पर सफेद बाल हैं। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। जीआरपी द्वारा उसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाकर परिजनों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। जीआरपी ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो या उसके परिजनों को पहचानते हों, तो तत्काल जीआरपी थाना जबलपुर को सूचित करें, ताकि मृतक की पहचान कर परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके।





अनियंत्रित होकर पलटी ऑटो रिक्शा में फंसे यात्रियों को निकाला बाहर, घायलों को पहुंचाया अस्पताल

हादसे के मददगार बने कलेक्टर

जबलपुर। बिलहरी क्षेत्र में डीमार्ट के पास सवारियों से भरी एक ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सवार यात्री ऑटो रिक्शा में फंस गए और कुछ यात्री उसके नीचे दब गए। इसी दौरान वहां से गुजर रहे कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने तत्काल अपना वाहन रुकवाया और घटना स्थल पर पहुंचकर ऑटो रिक्शा में सवार यात्रियों को बचाने में मदद की। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने मौके पर मौजूद लोगों के साथ मिलकर पलटी हुई ऑटो को सीधा कराया और उसमें फंसे सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने हादसे में घायल यात्रियों को पीछे से आ रही खनिज विभाग के वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी को मौके से फोन कर घायलों का समुचित एवं त्वरित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। ऑटो रिक्शा में तीन महिलाएं, एक बच्चा, एक पुरुष और चालक सहित कुल छह लोग सवार थे।इनमें एक बच्चा और एक महिला सहित चार व्यक्तियों को घायल होने पर खनिज विभाग के वाहन से जिला अस्पताल भेजा गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की तत्परता और मौके पर मौजूद लोगों की मदद से सभी यात्रियों को सुरक्षित निकालकर समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका।

एनएच-30 पर सड़क हादसे अज्ञात अधेड़ की मौत

मृतक की पहचान के लिए पुलिस ने शुरू किए प्रयास

जबलपुर यशभारत। जिले के पनागर थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर हुए सड़क हादसे में करीब 65 से 70 वर्षीय एक अज्ञात अधेड़ की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार एनएच-30 पर अज्ञात परिस्थितियों में सड़क दुर्घटना का शिकार हुए बुजुर्ग को गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पनागर थाना पुलिस



मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। मृतक की उम्र लगभग 65 से 70 वर्ष के बीच बताई जा रही है। फिलहाल उसके पास से ऐसा कोई दस्तावेज या जानकारी नहीं मिल सकी है, जिससे उसकी पहचान हो सके।

JABALPUR SMART CITY LIMITED (JSCL)

Manas Bhawan Wright Town, Jabalpur, M.P.-482001, www.jscljabalpur.org,
Contact : admin@jscljabalpur.org, ceojscl@mpurban.gov.in Mob. : 7611136800

Ref. JSCL/2026/659/ADM/07 Date : 04.11.2026

NOTICE INVITING TENDER

Jabalpur Smart City Limited invites proposal for "Selection of Concessionaiare for Operation and Maintenance of Mini Sports Centre at LNY Municipal School Campus, Ranjhi on Rental Model, Jabalpur" from eligible firms having experience of similar type of work. Interested bidder may obtain the detail RFP documents from www.mptenders.gov.in (Jabalpur Smart City Ltd.) and www.jscljabalpur.org.

Chief Executive Officer, Jabalpur Smart City Limited

86 गुमशुदा मोबाइल तलाश कर जबलपुर पुलिस ने आवेदकों को सौंपे

जबलपुर, यशभारत। पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय के आदेशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध) श्री जितेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में जबलपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुम हुए 86 मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपये है, ट्रेस कर उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द कर दिए हैं। इस अवसर पर एसपी श्री सम्पत उपाध्याय ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराएं और www.ceir.gov.in पोर्टल पर पंजीकृत करें। साथ ही साइबर फ्रॉड की स्थिति में तुरंत 1930 या जबलपुर साइबर सेल के हेल्पलाइन नंबर 7701050010 पर संपर्क करें। पुलिस ने किसी अनजान व्यक्ति के झांसे में न आने, व्हाट्सएप पर भेजी गई .apk फाइल डाउनलोड न करने और निवेश के फर्जी लालच से बचने की सख्त हिदायत दी है।



कोदो-कुटकी के पंजीयन 25 तक

जबलपुर।

राज्य शासन ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समर्थन मूल्य पर कोदो-कुटकी के उपार्जन हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। पहले यह तिथि 5 नवंबर निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 25 नवंबर कर दिया गया है। अब कोदो-कुटकी उत्पादक किसान अपनी उपज को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए 25 नवंबर तक आसानी से पंजीयन करा सकेंगे।

उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे ने बताया कि किसानों की सहूलियत के लिए जिले में 5 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। इनमें सेवा सहकारी संस्था बरगी, गौरी, बघराजी, पडरिया और सहकारी विपणन संस्था सिहोरा शामिल हैं।

कृषि विभाग ने पंजीयन से छूटे हुए सभी कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों से अपील की है कि वे समय-सीमा का ध्यान रखते हुए 25 नवंबर से पहले अपने नजदीकी केंद्र पर पंजीयन अवश्य करा लें, ताकि उन्हें योजना का पूरा लाभ मिल सके।

बिना अनुमति आयोजनों पर रोक, डीजे व बाइक रैली पर भी प्रतिबंध

जबलपुर। आगामी त्यौहारों को देखते हुए जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू की गई है। अपर जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी यह प्रतिबंधात्मक आदेश तत्काल प्रभाव से दो माह तक लागू रहेगा।

आदेशानुसार प्रशासनिक अनुमति के बिना कोई भी आयोजन नहीं किया जा सकेगा। जिले में दो पहिया वाहन रैली और डीजे का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। किरायेदारों, पेइंग गेस्ट, घरेलू सहायकों और होटल में ठहरने वालों की जानकारी संबंधित थाने में देना अनिवार्य है। ई-सिगरेट, खुले में पेट्रोल बिक्री, सैन्य व गैस डिपो परिसरों के पास आतिशबाजी और सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट पर सख्त रोक रहेगी।

कार्यालय वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर (म.प्र.)

Ph. 0761-2668554, E-mail: ccfre.jbp@mp.gov.in

// ई-निविदा सूचना //

क्र./स्टोर/2026/2964 जबलपुर, दिनांक / 30.10.26

1 निविदा प्रपत्र म.प्र. शासन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in से डाउनलोड करें।
2 यह निविदा सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर के अंतर्गत के अंतर्गत आने वाले जबलपुर, कटनी तथा डिंडौरी जिले की रोपणियों में आधुनिक सिंचाई व्यवस्था की दृष्टि से सिंचाई सामग्री क्रय कर अधीनस्थ रोपणियों में रोपणी स्थल तक परिवहन एवं इंस्टॉलेशन सहित आमंत्रित की जा रही है।
3 सामग्री क्रय हेतु निविदा को निर्धारित प्रारूप में वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑन-लाईन पद्धति से प्रस्तुत किया जाना है।
4 निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रूपये 500/- है, निविदाऐं ऑनलाईन ही क्रय की जा सकेंगी एवं ऑनलाईन ही प्रस्तुत करने पर मान्य होंगी।
5 निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का विवरण निम्नानुसार हैं:-

विवरण	दिनांक	समय
Tender Publishing Date and Time	04-11-2026 03.00 PM	निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in तथा www.mpforest.gov.in पर दर्शित है
Document Download Tender Sale Start Date and Time	04-11-2026 05.00 PM	
Pre-Bid Meeting Date and Time	12-11-202603.00PM	
Bid Submission Start Date and Time	06-11-2026 12.00 PM	
Bid Submission Close Date and Time	18-11-2026 02.00 PM	
Bid Technical Openning Date and Time	19-11-2026 03.00 PM	

जी-21043/26 " बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल " वनमंडल अधिकारी सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर

ओएफके इस्टेट से हटाये जायेंगे निजी सुरक्षा गार्ड?

एम आई एल की फैसले से इस्टेट में रहने वाले परिवार चिंतित

जबलपुर यश भारत। आयुध निर्माणी खमरिया के इस्टेट क्षेत्र में तैनात निजी सुरक्षा गार्डों को हटाये जाने की खबर से वहां के निवासियों में सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त हो गई है।उनका मानना है कि सुरक्षा गार्डों की तैनाती के बाद भी जब तब चोरियां और अन्य घटनाएं हो जाती है।जब सुरक्षा गार्ड हटा लिये जायेंगे तो कर्मचारी और उनका परिवार कैसे सुरक्षित रहेगा।ऐसी स्थिति में असमाजिक तत्वों को बल मिलेगा और उनके होंसले बुलंद हो जाएंगे।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हाल ही में एम आई एल से फरमान आया है कि इस्टेट में तैनात निजी सुरक्षा गार्डों की कोई आवश्यकता नहीं है। इससे कंपनी पर आर्थिक बोझ आ रहा है। लिहाजा उन्हें हटाया जाये।बता दें कि आयुध निर्माणी खमरिया देश के संवेदनशील क्षेत्र में आता है और इस पर दुश्मन देशों की नजरें भी लगी रहती हैं। असमाजिक तत्वों पर तो पुलिस प्रशासन शिकंजा कस सकता है लेकिन दुश्मनों की साज़िश को नाकाम करने के लिए आई



बी,एन आई ए जैसी एजेंसियां हमेशा नजरें रखतीं हैं।इसके लिए पहले निर्माणी की सुरक्षा डीएससी और फैक्ट्री के पदस्थ दरबान करते आ रहे थे।इसके साथ ही इस्टेट एरिया में जगह जगह चेक पोस्ट पर दरबान तैनात किये जाते रहे। चूंकि ओएफके संवेदनशील क्षेत्र में आता है अतः इसका उद्देश्य निर्माणी परिसर में कोई अवांछित व्यक्ति या असमाजिक तत्व प्रवेश न करे। इससे निर्माणी की सुरक्षा के साथ इस्टेट में रहने वाले कर्मचारियों को भी सुरक्षा कवच मिलता रहा है। चूंकि भर्तियों पर पाबंदी लगी है और दरबानों की भर्तियां नहीं हो रही है। इसलिए प्रबंधन द्वारा सुरक्षा से समझौता न करते हुए निजी गार्डों को तैनात किया गया। जो इस्टेट एरिया की रात दिन चौकसी करते रहते हैं।

बताया जाता है कि निगम बनने के बाद कंपनी की अवधारणा में परिवर्तन हुआ है। कंपनी का मानना है कि इस्टेट की सुरक्षा की बजाय निर्माणी की सुरक्षा आवश्यक है। अतः निर्माणी के अलावा अन्य जगहों पर तैनात निजी सुरक्षा गार्डों को हटा दिया जाए। बताया जाता है कि एम आई एल के इस फरमान के बाद न केवल कर्मचारी अपितु प्रबंधन के आला अधिकारी भी जो अधिकांश इस्टेट एरिया में ही रहते हैं उनके परिवार भी चिंतित नजर आ रहे हैं। अधिकारियों कर्मचारियों का मानना है कि आयुध निर्माणी खमरिया शुरू से ही संवेदनशील क्षेत्र में आती है। अतः यहां पर असमाजिक तत्वों के साथ दुश्मन देशों की नजरें रहती है। अगर इस्टेट एरिया से निजी गार्डों को हटाया गया तो यह भविष्य एक गंभीर चूक हो सकती है।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

अभी तक मेरी जानकारी में यह बात नहीं आई है। इस संबंध में जानकारी इकट्ठा की जाएगी।
अविनाश शंकर
पीआरओ/ ओएफके



संपादकीय

आरोपों की राजनीति बनाम जमीनी हकीकत

वोट चोरी के आरोपों से कितना बदल पाएगा देश का सियासी मिजाज?

भारतीय राजनीति इन दिनों आरोप-प्रत्यारोप के एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां लोकतंत्र, चुनावी पारदर्शिता और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में आ गई है। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष के 21 राजनीतिक दलों की भागीदारी वाली वोट चोरी रैली के बाद सियासी माहौल और गरमा गया है। विपक्ष इसे लोकतंत्र बचाने की लड़ाई बता रहा है, तो सत्तापक्ष इन आरोपों को राजनीतिक हताशा और जनता के जनादेश को नकारने की कोशिश के रूप में देख रहा है। रैली की सफलता और उसमें जुटी भीड़ को लेकर भले ही दोनों पक्ष अपने-अपने दावे कर रहे हों, लेकिन इस पूरे घटना म ने एक बड़ा सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या चुनावी प्र िया वास्तव में संदेह के घेरे में है या फिर लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राजनीतिक लड़ाई का हथियार बनाया जा रहा है?कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेता, विशेषकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का दावा है कि मतदाता सूचियों से करोड़ों नाम हटाए गए और इसका चुनावी परिणामों पर असर पड़ा। उसका तर्क है कि जब जीत और हार का अंतर कई सीटों पर बेहद कम था, तब मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हुई कथित कटौती को सामान्य प्रशासनिक प्र िया मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन इस पूरे आरोप की पड़ताल करते समय कुछ बुनियादी सवालों का जवाब भी जरूरी है। यदि विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव को व्यापक स्तर पर अवैध और धांधलीपूर्ण मानता है, तो क्या उस चुनाव से निर्वाचित केवल भाजपा के सांसदों का जनादेश ही संदिग्ध होगा? क्या विपक्ष के 99 सांसदों और स्वयं नेता प्रतिपक्ष का निर्वाचन भी उसी कसौटी पर नहीं आएगा? आखिर जिस चुनावी प्र िया पर सवाल उठाए जा रहे हैं, उसी प्र िया से विपक्ष को भी संसद में प्रतिनिधित्व मिला है। ऐसे में आरोपों की गंभीरता के साथ उनके तार्किक आधार को भी स्पष्ट करना आवश्यक है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव में भाजपा को लगभग 38 प्रतिशत मत मिले, जबकि कांग्रेस का मत प्रतिशत करीब 21 प्रतिशत रहा। हालांकि, मत प्रतिशत अपने आप में चुनावी प्र िया की निष्पक्षता का प्रमाण नहीं हो सकता, लेकिन जनादेश का आकलन करते समय इसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चुनावी अनियमितताओं के आरोपों की जांच तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए, न कि केवल राजनीतिक दावों के आधार पर। दूसरी ओर, मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए चल रही एसआईआर जैसी प्र िया को भी केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची में मृत व्यक्ति यों के नाम, दोहरे पंजीकरण और स्थान परिवर्तन के कारण मौजूद त्रुटियों को दूर करना किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी है। लेकिन इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम बिना उचित प्र िया और सूचना के सूची से बाहर न हो। सुधार की प्र िया और मताधिकार की सुरक्षा, दोनों एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए। यहां चुनाव आयोग की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। इसलिए विपक्ष के सवालों को केवल राजनीतिक बयानबाजी कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई है तो उसका पारदर्शी तरीके से जवाब सामने आना चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार विपक्ष को है और उन सवालों का तथ्यात्मक जवाब देना संस्थाओं की जिम्मेदारी है। हालांकि, इस पूरे विवाद का एक दूसरा पहलू भी है। क्या वोट चोरी का मुद्दा आम नागरिक की रोजमर्रा की चिंता बन पाया है? महंगाई, बेरोजगारी, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और स्थानीय अव्यवस्थाओं से जूझ रहे आम आदमी के लिए चुनावी प्र िया का सवाल निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन क्या यह उसकी प्राथमिक चिंताओं में शामिल हो पाया है? विपक्ष की लगातार कोशिशों के बावजूद इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी जनभावना कितनी मजबूत हुई है, इसका आकलन केवल रैलियों और राजनीतिक भाषणों से नहीं किया जा सकता। दरअसल, भारतीय राजनीति में अब आरोपों की विश्वसनीयता का फैसला केवल मंचों से नहीं, बल्कि जनता के बीच उनके प्रभाव से भी होगा। विपक्ष को अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण और तथ्य प्रस्तुत करने होंगे, वहीं सत्तापक्ष और चुनाव आयोग को भी पारदर्शिता के साथ संदेह दूर करने होंगे। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने या हारने का नाम नहीं है। उसकी असली ताकत निष्पक्ष चुनाव, मजबूत संस्थाओं और जनता के अटूट विश्वास में निहित है। इसलिए सवाल यह नहीं कि वोट चोरी का आरोप कौन लगा रहा है और उसका राजनीतिक लाभ किसे मिलेगा, बल्कि असली सवाल यह है कि क्या देश की चुनावी व्यवस्था पर उठ रहे सवालों का विश्वसनीय समाधान सामने आ रहा है? आखिर लोकतंत्र में आरोपों से राजनीति तो गर्म हो सकती है, लेकिन जनता का भरोसा केवल तथ्यों, पारदर्शिता और जवाबदेही से ही कायम रह सकता है।

कड़वे वचन



जीवन का यहनियम याद रखो। जो आप देने वाले हैं वह आपके पास लौटके आने वाला है। कई गुना बढ़कर आने वाला है। हर किसान यह नियम जानता है, मानता है और इस पर काम करता है। वह खेत में अच्छे व बेहतरीन बीज डालता है और फसल आने का इंतजार करता है। किसान यह जानता है मगर अफसोस है कि इंसान यह नहीं जानता। दिया कभी बेकार नहीं जाता । याद रखो दे जाना ही ल जाने का मार्ग है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-5 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
दिन सामान्य रहने वाला है किसी की मदद करने से खुशी मिलेगी

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
किसी विशेष कार्य को करने में दिन व्यतीत होगा लोगों की प्रशंसा मिल सकती है

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी दिन खुशनुमा रहने वाला है

कर्क ही, हू, हे, है, हो, डा, डी, डू, डे, डो
मानसिक उलझनें कम हो सकती हैं खर्चों की अधिकता बनी रहेगी

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
दिन अनुकूल रहने वाला है माता-पिता का आशीर्वाद लेकर कार्य करें

कन्या ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
धन लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं परिवार के साथ समय व्यतीत कर सकते हैं

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
दिन उत्तम रहने वाला है सामाजिक कार्यों में गतिविधियां बढ़ेगी

वृश्चिक यो, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
स्वास्थ्य में पहले से अब सुधार होगा योग प्राणायाम अवश्य करें

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
घर में शुभ मांगलिक कार्य हो सकते हैं मन प्रफुल्लित रहेगा

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
साझेदारी के काम को सोच समझ कर आगे बढ़ाएं क्रोध में नियंत्रण रखें

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
खर्चों की अधिकता की वजह से आर्थिक स्थिति प्रभावित रहेगी

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
वाणी में नियंत्रण रखकर कार्य करें दिन सामान्य रहने वाला है

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग, बिहार के विकास को मिलेगी नई गति

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है। इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था।

(लेखक - विनोद सिंह 'तकियावाला')

दान की महिमा जीवन को महान बनाने का सबसे पवित्र मार्ग है

मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले। इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है।

संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संचय के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो।

प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है।

दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो।

दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है। धन, वस्त्र और अन्य सुविधाएं बाद में भी प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन भूख की पीड़ा तत्काल भोजन मांगती है। इसलिए किसी जरूरतमंद को भोजन कराना मानवीय सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है।

गौतम बुद्ध से जुड़ा एक प्रसंग दान की भावना को सुंदर ढंग से समझाता है। एक दिन कुछ बालक खेल रहे थे। बुद्ध वहां से गुजरे तो एक बालक ने उनसे कहा कि बाबा, दान लो। बुद्ध ने अपनी झोली फैला दी और बालक ने उसमें रेत डाल दी। शिष्य ने आश्चर्य से पूछा कि आपने रेत क्यों स्वीकार की? बुद्ध ने समझाया कि रेत का कोई विशेष मूल्य नहीं, लेकिन बालक के मन में दान करने की भावना जागी है। यदि मैं उसका दान अस्वीकार कर देता तो उसकी उदारता का भाव कमजोर हो सकता था। आज वह रेत दे रहा है, संभव है कि कल अपनी सामर्थ्य के अनुसार भोजन भी दान करे। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि दान की शुरुआत छोटी भावना से होती है, लेकिन उसका प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है।

जैन धर्म में आहारदान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। श्रावक के बारह व्रतों में अतिथि संविभाग व्रत भी शामिल है। इसका आशय है कि गृहस्थ अपने भोजन में से साधु-संतों और सुपात्रों के लिए भी हिस्सा निकाले। जैन परंपरा में मुनियों को विधिपूर्वक आहारदान देना पुण्यकारी माना गया है। मान्यता है कि सुपात्रदान से कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान महावीर की शिक्षाओं में त्याग, संयम, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति करुणा का जो संदेश मिलता है, उसमें दान की भावना भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अन्य धर्मों में भी भोजन बांटने की परंपरा रही है। ऋग्वेद में अकेले भोजन करने की प्रवृत्ति को उचित नहीं माना गया है। गीता में भी दूसरों को भोजन कराए बिना केवल अपने लिए भोजन करने वालों के प्रति चेतावनी दी गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भोजन बांटना किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का साझा आदर्श है।

आज के समय में जब समाज में आर्थिक असमानता और जरूरतमंदों की समस्याएं दिखाई देती हैं, तब दान की महत्ता और बढ़ जाती है। प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी भूखे को भोजन करा सकता है, किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की सहायता कर सकता है अथवा किसी असहाय व्यक्ति के लिए उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है। दान के लिए धनवान होना आवश्यक नहीं, उदार हृदय होना आवश्यक है।

अंततः जीवन में धन का वास्तविक महत्व उसके संग्रह में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग में है। जो भोजन हम अकेले खा सकते हैं, उसमें से किसी भूखे का हिस्सा निकालना ही सच्ची मानवता है। दान मनुष्य को विनम्र बनाता है, समाज में प्रेम बढ़ाता है और आत्मा को संतोष प्रदान करता है। इसलिए अपनी आय, सामर्थ्य और परिस्थिति के अनुसार दान को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विशेषकर आहारदान के माध्यम से किसी की भूख मिटाना सबसे सहज और पुण्यकारी सेवा है। दान से हाथ खाली नहीं होते, बल्कि हृदय समृद्ध होता है। यही दान की महिमा है और यही मानव जीवन का सच्चा कल्याण मार्ग है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

युवाओं में जीवन से पलायन की खतरनाक प्रवृत्ति

युवाओं में आत्महत्या (सुसाइड) और जीवन से पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति आज एक अत्यंत गंभीर और चिंताजनक सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दा बन चुकी है। आधुनिक जीवनशैली, अत्यधिक दबाव और सामाजिक बदलावों ने युवाओं को एक ऐसे चौराहे पर खड़ा कर दिया है जहाँ वे कई बार दिशाहीन और असहाय महसूस करने लगते हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वैश्विक डेटा के अनुसार, पूरी दुनिया में हर साल लगभग 7,20,000 से अधिक लोग आत्महत्या से अपनी जान गंवाते हैं।

दुनिया में हर 40 सेकंड में लगभग एक व्यक्ति आत्महत्या के कारण मर जाता है।

15 से 29 वर्ष के युवाओं के बीच दुनिया भर में मौत का यह चौथा सबसे बड़ा कारण बन चुका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि हर एक सफल आत्महत्या के पीछे कम से कम 20 या उससे अधिक बार आत्महत्या के प्रयास किए जाते हैं।

दुनिया भर में होने वाली कुल आत्महत्याओं का लगभग 73त्न से 77त्न हिस्सा निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होता है, जिसमें भारत भी शामिल है।

भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 1.70 लाख से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं।

वर्ष 2024 में भारत में कुल 1,70,746 लोगों ने आत्महत्या की, जबकि 2023 में यह संख्या 1,71,418 थी।

भारत में प्रति 1,00,000 आबादी पर आत्महत्या की दर 12.2 है।

कुल मामलों में पुरुषों की संख्या लगभग 73.5त्न है, जिसमें दिहाड़ी मजदूर और छात्र सबसे संवेदनशील समूहों में शामिल हैं।

महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में देश की कुल आत्महत्याओं के करीब एक-तिहाई मामले दर्ज होते हैं।

अब आपको अक्टूबर माह के अंतिम दिन अख़बार की सुरखी बने सुसाइड मामलों की बानगी से अवगत कराते हैं ताकि आप आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को समझें

पुणे से एक खौफनाक धटना सामने आई 30 अक्टूबर को एक महिला ने अपने 6 साल के बेटे के साथ 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी. यह घटना एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी में फुटेज में महिला अपने बेटे के साथ 18वीं मंजिल पर जाती दिखाई दे रही है पुलिस आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच कर रही है.मामला पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ शहर के थेरगांव वाकड इलाके में सिग्नेचर पार्क नाम की एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी का है, यहां 33 साल की एकता भांगड ने अपने 6 साल के बेटे माधव भांगड के साथ इमारत की 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी के मुताबिक, एकता भांगड अपने पति मनोज भांगड और बेटे माधव के साथ पिछले कुछ सालों से इस सोसायटी में रह रही थी जानकारी मिलते ही वाकड पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर आगे की जांच शुरू की. मृतक महिला का परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है. वे पिछले दो सालों से इस सोसायटी की सातवीं मंजिल पर रह रहे थे. मृतक महिला का पति मनोज भांगड यरवदा स्थित एक आईटी कंपनी में काम करता है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है. यहां दो सगी बहनों ने अलग-अलग जगहों पर अपने बच्चों के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी. पहली घटना में पति की मौत के सदमे से गुजर रही 8 महीने की गर्भवती महिला ने अपने बेटे के साथ जान दी, जबकि कुछ घंटे बाद उसकी बड़ी बहन ने भी अपने तीन बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी. इन घटनाओं में दो बहनों और चार मासूम बच्चों समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि गर्भ में पल रहे शिशु की भी जान चली गई। इसी तरह राजस्थान की राजधानी जयपुर से इस वक्त एक हादसे में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से एक छात्रा कूद गई है. छात्रा के कूदने से यूनिवर्सिटी में हड़कंप मच गया है. प्रशासन ने इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है. इस हादसे के बाद यूनिवर्सिटी को फिलहाल बंद कर दिया है. पूर्णिमा यूनिवर्सिटी से छात्रा से कूदने का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. इस वीडियो में छात्रा छत की छठी मंजिल पर बिल्कुल किनारे बैठी नजर आ रही है.पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से कूदने वाली छात्रा की पहचान यशस्वी रोहिला के रूप में हुई है. एमबीए सेकंड ईयर की स्टूडेंट है. बताया जाता है कि यशस्वी जयपुर के गुर्जर की थ्री इलाके के प्रेम नगर की रहने वाली है. शिवदासपुरा थाना की पुलिस मौके पर जांच में जुटी है.

यह आंकड़े दर्शाते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम पर वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बड़े बदलावों की तत्काल आवश्यकता है।

भारत सरकार देश में आत्महत्या की बढ़ती वारदातों को रोकने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए बहु-स्तरीय प्रयास कर रही है। सरकार ने इसके लिए कानूनी बदलाव, डिजिटल तकनीक और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया है।

सरकार द्वारा कुछ खास कदम उठाए जा रहे हैं

भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा देश की पहली राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति लागू की गई है।

इसका मुख्य उद्देश्य वर्ष 2030 तक देश में आत्महत्या मृत्यु दर में 10त्न की कमी लाना है।

इसके तहत अगले कुछ वर्षों में सभी शिक्षण संस्थानों में मानसिक कल्याण पाठ्यक्रम को शामिल करने और देश के सभी जिलों में मनोरोग ओपीडी स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

दूरदराज के क्षेत्रों तक मुफ्त और गोपनीय मानसिक परामर्श पहुँचाने के लिए सरकार ने डिजिटल तकनीक का बड़े पैमाने पर विस्तार किया हैदेश भर के 1.83 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (प्राथमिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों) में बुनियादी मानसिक स्वास्थ्य जांच और काउंसलिंग सेवाओं को एकीकृत किया गया है।समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फैले अंधविश्वास, शर्म (स्ह्लद्वद्वद्बड्ड) और रूढ़िवादिता को खत्म करने के लिए सरकार ने सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू किए हैं, ताकि लोग समय रहते मदद मांगने के लिए आगे आ सकें।इन व्यापक सरकारी रणनीतियों में केवल स्वास्थ्य मंत्रालय ही नहीं, बल्कि शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास और सूचना एवं प्रसारण जैसे मंत्रालयों को भी एक साथ जोड़ा गया है ताकि युवाओं, किसानों और हर संवेदनशील वर्ग को सुरक्षा घेरा दिया जा सके।

(लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल)

हाजिरी का हिसाब गायब, खाते से निकल गए 275 करोड़! बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी में वेतन भुगतान पर बड़ा सवाल

RTI में 1988 से 2023 तक का चौंकाने वाला खुलासा, कर्मचारियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड नहीं दे पाया विश्वविद्यालय

भोपाल, यश भारत।

राजधानी के बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में वेतन भुगतान को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सूचना का अधिकार (ऋ्ञढ्ढ) के तहत सामने आई जानकारी के मुताबिक, वर्ष 1988 से 2023 के बीच विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को करीब 275 करोड़ रुपये वेतन के रूप में भुगतान किए गए, लेकिन विश्वविद्यालय इस अवधि का हाजिरी रजिस्टर और उपस्थिति से संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा सका। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति का रिकॉर्ड ही उपलब्ध नहीं है, तो उनके वेतन भुगतान का सत्यापन किस आधार पर किया गया?

यह मामला विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र धर्मेंद्र सिंह के ऋ्ञढ्ढ आवेदन के बाद सामने आया है। उन्होंने विश्वविद्यालय से कर्मचारियों की उपस्थिति और वेतन भुगतान से जुड़ी जानकारी मांगी थी। आवेदन के जवाब में हाजिरी का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने से वेतन भुगतान की पूरी प्रक्रिया सवालों के घेरे में आ गई है। हालांकि, रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होना अपने आप में फर्जी हाजिरी या वित्तीय घोटाले का प्रमाण नहीं है, लेकिन इसने विश्वविद्यालय के दस्तावेजी प्रबंधन और वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल जरूर खड़े किए हैं।





35 साल तक हाजिरी में गड़बड़ी का मामला नहीं, फिर रिकॉर्ड कहां गया?

मिली जानकारी के अनुसार, करीब 35 वर्षों की अवधि में हाजिरी से संबंधित गड़बड़ी का कोई मामला दर्ज होने की जानकारी भी सामने नहीं आई है। वहीं विश्वविद्यालय यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कर्मचारियों की उपस्थिति किस व्यवस्था के तहत दर्ज और सत्यापित की जाती थी। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों रुपये के वेतन बिलों को किस आधार पर प्रमाणित किया जाता रहा और भुगतान की मंजूरी किस प्रक्रिया से दी गई?

शिक्षकों और विभागों की संख्या भी बढ़ी

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, विश्वविद्यालय में शुरुआती दौर में शिक्षण स्टाफ के पांच सदस्य थे। समय के साथ विभागों की संख्या बढ़कर 20 हो गई। वर्तमान व्यवस्था के तहत करीब 40 नियमित शिक्षक, 21 संविदा शिक्षक और लगभग 250 गेस्ट फैकल्टी शिक्षण कार्य से जुड़े बताए गए हैं। विश्वविद्यालय का सालाना खर्च करीब 13 करोड़ रुपये बताया गया है।

पूर्व छात्र ने उठाई जांच की मांग

RTI के जरिए जानकारी जुटाने वाले पूर्व छात्र धर्मेंद्र सिंह ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि वेतन बिल किस अधिकारी ने प्रमाणित किए भुगतान के लिए कौन-कौन से दस्तावेज इस्तेमाल किए गए और कर्मचारियों की उपस्थिति का सत्यापन किस आधार पर हुआ। उन्होंने संबंधित दस्तावेजों की जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग उठाई है।

रजिस्ट्रार बोले- मेरे कार्यकाल से पहले का मामला

मामले में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार एसबी सिंह ने कहा है कि संबंधित घटनाएं उनके कार्यकाल से पहले की हैं। ऐसे में अब निगाहें विश्वविद्यालय प्रशासन और संबंधित जांच एजेंसियों पर हैं। जांच के जरिए ही स्पष्ट हो सकेगा कि हाजिरी रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के पीछे प्रशासनिक लापरवाही थी या वेतन भुगतान की प्रक्रिया में कोई गंभीर अनियमितता हुई। फिलहाल 275 करोड़ रुपये के वेतन भुगतान और 35 वर्षों के हाजिरी रिकॉर्ड का मामला विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल बन गया है। अब जरूरत इस बात की है कि वेतन बिल, उपस्थिति प्रमाणन, ऑडिट रिपोर्ट और भुगतान से जुड़े दस्तावेजों की समयबद्ध जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए।



सरोजिनी नायडू कॉलेज में तीन दिवसीय दीपोत्सव मेले का आयोजन

छात्राओं और स्व-सहायता समूह की महिलाओं को मिलेगा स्वनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन व बिक्री का मौका

भोपाल ,यश भारत। सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में 3 से 5 नवंबर तक तीन दिवसीय दीपोत्सव मेले का आयोजन किया जा रहा है। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं अर्न वाइल यू लर्न के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मेले में छात्राएं अपने हाथों से तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी लगाकर उनका विक्रय कर सकेंगी। मेले में महाविद्यालय की छात्राओं के लिए स्टॉल पंजीयन पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। इसके अलावा अन्य महाविद्यालयों की छात्राएं और स्व-सहायता समूहों की महिलाएं भी अपने उत्पादों के स्टॉल लगा सकेंगी। आयोजन का उद्देश्य छात्राओं में उद्यमिता, स्वरोजगार और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देना है। मेला प्रतिदिन सुबह 11 से शाम 4 बजे तक विवेकानंद सभागार में लगेगा। स्टॉल लगाने की इच्छुक छात्राएं स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ की श्रीमती मोनिका श्रीवास्तव अथवा गृह विज्ञान विभाग की डॉ. लक्ष्मी अग्निहोत्री से संपर्क कर सकती हैं।



पीसीओएस के उपचार पर योग और जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल तैयार

भोपाल,यश भारत।

एम्स भोपाल की फिजियोलॉजी विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने बेंगलुरु स्थित निमहांस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यंत्र 2026 में पीसीओएस पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के प्रबंधन के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा आधारित जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल प्रस्तुत किया। आईसीएमआर के सहयोग से अप्रैल 2022 से मार्च 2025 तक एम्स भोपाल में हुए इस अध्ययन में 27 अभ्यासों का प्रोटोकॉल तैयार किया गया। इसमें सूर्य नमस्कार प्राणायाम गहरा विश्राम कुंजल क्रिया और कटि स्नान शामिल हैं। देश के विभिन्न संस्थानों के 35 विशेषज्ञों ने इस प्रोटोकॉल को औसतन 10 में से 8.6 अंक दिए। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि यह अध्ययन पीसीओएस पर भविष्य में होने वाले क्लिनिकल ट्रायल के लिए मानक और प्रमाणित आधार उपलब्ध कराएगा। शोध में डॉ. श्वेता पटेल सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी योगदान दिया।

अस्पताल की सरकारी जमीन पर रसूखदार का टप, पांच दिन बाद भी कार्रवाई नहीं!

बनखेड़ी, यशभारत।

नगर में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। अस्पताल रोड स्थित साई मंदिर के पीछे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की नवनिर्मित लैब के पास 31 अक्टूबर की रात कथित तौर पर एक रसूखदार नेता के संरक्षण में एक व्यक्ति द्वारा भारी-भरकम लोहे का टप रखवाए जाने का मामला सामने आया है। सुबह जानकारी लगते ही वार्डवासियों ने विरोध शुरू कर दिया। बावजूद इसके पांच दिन बीतने के बाद भी टप नहीं हटाया गया है। मामले को लेकर वार्डवासियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर भी शासकीय अस्पताल की जमीन पर टप रखे जाने को लेकर विरोध जताया जा रहा है। अब स्वास्थ्य विभाग ने भी अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है।



स्वास्थ्य विभाग ने तहसीलदार और नगर परिषद को लिखा पत्र, अतिक्रमण हटाने की मांग

नेता प्रतिपक्ष ने एसडीएम को दिया आवेदन- नगर परिषद बनखेड़ी के वार्ड क्रमांक 04 के पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष दुर्गेश बेलवंशी ने 2 नवंबर को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिपरिया को लिखित आवेदन सौंपकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनखेड़ी की शासकीय भूमि पर रखे गए विशाल लोहे के टप कंटेनर को हटवाने और भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने स्थित शासकीय अस्पताल की भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा बिना सक्षम अनुमति के दुकानें एवं घुमटियां रखकर अस्थायी अतिक्रमण किया गया है। ऐसे में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए तत्काल कार्रवाई जरूरी है।

स्वास्थ्य विभाग भी मैदान में, तहसीलदार- नगर परिषद को पत्र- मामले को बढ़ता देख खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. जेएस परिहार ने 3 नवंबर को बनखेड़ी तहसीलदार एवं नगर परिषद बनखेड़ी को पत्र लिखकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि अस्पताल परिसर की शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटवाने के लिए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए।

पीसीओएस के उपचार पर योग और जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल तैयार

एम्स भोपाल की डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने निमहांस में प्रस्तुत किया शोध, 35 विशेषज्ञों ने दी 8.6 की औसत रेटिंग



भोपाल,यश भारत।

एम्स भोपाल की फिजियोलॉजी विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने बेंगलुरु स्थित निमहांस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यंत्र 2026 में पीसीओएस पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के प्रबंधन के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा आधारित जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल प्रस्तुत किया। आईसीएमआर के सहयोग से अप्रैल 2022 से मार्च 2025 तक एम्स भोपाल में हुए इस अध्ययन में 27 अभ्यासों का प्रोटोकॉल तैयार किया गया। इसमें सूर्य नमस्कार प्राणायाम गहरा विश्राम कुंजल क्रिया और कटि स्नान शामिल हैं। देश के विभिन्न संस्थानों के 35 विशेषज्ञों ने इस प्रोटोकॉल को औसतन 10 में से 8.6 अंक दिए। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि यह अध्ययन पीसीओएस पर भविष्य में होने वाले क्लिनिकल ट्रायल के लिए मानक और प्रमाणित आधार उपलब्ध कराएगा। शोध में डॉ. श्वेता पटेल सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी योगदान दिया।



सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

पॉक्सो एक्ट, ऑनलाइन ग्रूमिंग और अच्छे-बुरे स्पर्श की दी जानकारी, हेल्पलाइन नंबरों से कराया अवगत

भोपाल, यश भारत।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सुरक्षित बचपन अभियान के तहत कस्तूरबा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा बाल अधिकार ऑनलाइन उत्पीड़न और पॉक्सो अधिनियम की जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश हिमांशु कौशल ने बच्चों को अच्छे बुरे स्पर्श की पहचान, व्यक्तिगत सुरक्षा और शोषण के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि किसी अनुचित घटना की जानकारी अभिभावकों, शिक्षकों या विश्वसनीय व्यक्ति को तुरंत दें। कार्यक्रम में साइबर बुलिंग फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, सेक्सटॉर्शन और निजी फोटो के दुरुपयोग से बचाव के तरीके बताए गए।

सिवनी के छोटे गांव से लाल किले तक पहुंचा पत्रकार सलीम का सफर

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से हुए सम्मानित

नई दिल्ली , यश भारत । मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के एक छोटे से गांव गोपालगंज से शुरू हुआ संघर्ष और मेहनत का सफर आज दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले तक पहुंच गया है। गांव की गलियों में साइकिल से अखबार बेचने वाले सलीम रेहमान को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे सिवनी जिले और मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है। सलीम रेहमान की कहानी किसी बड़े शहर की सुविधाओं या संसाधनों से शुरू नहीं हुई। उनका ताल्लुक सिवनी जिले के छोटे से गांव गोपालगंज से है।



शुरुआती दिनों में उन्होंने साइकिल पर घूम-घूमकर अखबार बेचने का काम किया। इसी दौरान समाचारों और पत्रकारिता के प्रति उनकी रुचि बढ़ी और उन्होंने धीरे-धीरे लिखना शुरू किया। यहीं से उनके पत्रकारिता के सफर की नींव पड़ी। सीमित संसाधनों के बावजूद आगे बढ़ने का उनका जुनून उन्हें एक शहर से दूसरे शहर और फिर देश की सीमाओं के पार ले गया। सलीम ने अपने पत्रकारिता करियर में सिवनी से शुरुआत की और फिर नागपुर तथा मुंबई में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उनका सफर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तक पहुंचा, जहां वे वर्तमान में पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। मुंबई और दुबई में भी उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। इनमें यूएई के शाही परिवार के वरिष्ठ सलाहकार एवं ट्रस्ट इन ट्रेड के सीईओ डॉ. अर्शी अयूब जवेरी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के भतीजे और हाउस ऑफ कलाम, रामेश्वरम के सचिव एपीजेएम जैनुलाबुद्दीन प्रमुख रूप से शामिल रहे।

समारोह में पुरस्कार की संस्थापक सोनिया मेयर्स तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के परिवार से जुड़े एपीजेएम शेख सलीम की भी विशेष उपस्थिति रही। सलीम रेहमान का पारिवारिक जुड़ाव भी पत्रकारिता से रहा है। वे सिवनी के वरिष्ठ पत्रकार एम. रहमान के छोटे भाई मौलाना अलीम रेहमान के पुत्र हैं। ऐसे माहौल में उन्होंने पत्रकारिता की बारीकियों को समझा और अपने दम पर आगे बढ़ने का रास्ता चुना।

संत नगर में गूंजी हनुमान चालीसा 51 हजार पाठों का संकल्प पूर्ण

हिरदाराम नगर।

नुक्कड़ वाली माता मंदिर, संतनगर में श्री हनुमान जी महाराज के अखंड धार्मिक अनुष्ठान और 51,000 संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ के महासंकल्प का एक वर्ष पूर्ण होने पर महोत्सव आयोजित किया गया। गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेश दास जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहें।

रामप्रवेश दासजी ने कहा , 'भगवान की असीम कृपा से ही आज हम सब यहां एकत्रित हुए हैं। सनातन धर्म की रक्षा और समाज की एकजुटता के लिए सभी धर्मप्रेमी बंधुओं को मिलकर आगे आने की आवश्यकता है।' कार्यक्रम के दौरान गायकों द्वारा संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद ढोल-नगाड़ों की गूंज और आतिशबाजी के बीच महाआरती संपन्न हुई।



इस अवसर पवर नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, संस्कार स्कूल के सचिव बसंती चेलानी, कथा व्यास आचार्य राजीव लोचन शास्त्री, कथा व्यास राम मोहन तिवारी, कथा व्यास मनोज शास्त्री कथा व्यास सुश्री निधि किशोरी आचार्य लेखराज शर्मा, पंडित मिथुन शर्मा, पंडित अखिलेश शर्मा, पंडित मुदित शर्मा ,पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष मधु चंदवानी, युवा मोर्चा अध्यक्ष रामू केवट, हिंदू फैंस क्लब के अध्यक्ष ,राधे महाराज व अन्य मौजूद रहें। आभार हीरो हिंदू ने व्यक्त किया।

संस्कार विद्यालय के मोन्टेसरी बच्चों ने रामायण नाटिका से सजाया दीपोत्सव

हिरदाराम नगर.

संस्कार विद्यालय में मोन्टेसरी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए दीपावली के पर्व और उसके सांस्कृतिक महत्व को समझाने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नन्हें-मुन्नों ने अपनी प्रस्तुतियों दीं। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा रामायण पर आधारित एक सुंदर नाटिका और आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के साथ हुई। छोटी उम्र के बच्चों की यह प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि संस्कार विद्यालय में विद्यार्थियों को बाल्यावस्था से ही भारतीय संस्कृति



और हिंदू पर्वों के महत्व से अवगत कराया जाता है, ताकि बच्चे छोटी उम्र से ही अपनी जड़ों और संस्कृति को भली-भांति पहचान सकें। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि विद्यालय का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सनातन संस्कृति से भी जोड़कर रखा जाए। उन्होंने अंत में सभी को दीपावली की मंगलकामनाएं दीं। संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, मोन्टेसरी इंचार्ज प्रियांषी आडवानी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं।

सेवा सदन अस्पताल में 6 से 10 नवंबर तक 24 घंटे मिलेगी इमरजेंसी नेत्र चिकित्सा सेवा

हिरदाराम नगर।

दीपावली के अवसर पर 6 से 10 नवंबर 2026 तक सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर में पांचों दिन 24 घंटे आपातकालीन (इमरजेंसी) नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

पर्व के दौरान पटाखों से आंखों में चोट लगने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, अस्पताल प्रबंधन द्वारा रात के समय भी डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों की विशेष तैनाती की गई है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को तुरंत इलाज मिल सके।

बता दें वर्ष 2015 से 2025 तक दीपावली के अवसर पर भोपाल



और आसपास के क्षेत्रों से आतिशबाजी के कारण आंख, में चोट लगने वाले अनेक मरीज इलाज के लिए सेवा सदन पहुंचे थे। ऐसे मामलों में समय पर नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराने और मरीजों की दृष्टि को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से अस्पताल प्रबंधन द्वारा हर साल यह विशेष व्यवस्था की जाती है। यह सुविधा संत हिरदाराम नगर स्थित सेवा सदन के सिटी सेंटर (पुराना अस्पताल) में भी उपलब्ध रहेगी।

हेल्पलाइन नंबर जारी

आंखों में चोट लगने की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करने के लिए अस्पताल ने 9516546821 हेल्पलाइन मोबाइल नंबर जारी किया है। घायल व्यक्ति या उनके परिजन इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

आत्मा योजनांतर्गत खेत बचाओ अभियान का आयोजन

किसानों को प्राकृतिक खेती का दिया प्रशिक्षण, हुआ पौधारोपण





जैव इनपुट संसाधन केंद्र (BRC) में घनजीवामृत बनाना सिखाया

गोसलपुर, यश भारत। कृषि विभाग द्वारा संचालित आत्मा योजनांतर्गतविकासखंड सिहोरा के पौराणिक गो सेवालय मे स्थापित जैव इनपुट संसाधन केंद्र (क्लस्ट) में खेत बचाओ अभियान काआयोजन परियोजना संचालक जबलपुर डॉ. इंदिरा त्रिपाठी के संयोजन में किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती से हटाकर कम लागत वाली प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित करना था कार्यक्रम मे बड़ी संख्या में महिला और पुरुष किसानों ने भाग लिया।

लाइव डेमो से सिखाया घनजीवामृत बनाना.....

प्रशिक्षण के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को तीन नीले ड्रमों में रखे बीजामृत, जीवामृत और दशपर्णी अर्क के उपयोग और बनाने की विधि के बारे में विस्तार से बतायामौके पर ही गोबर के ढेर पर जीवामृत डालकर घनजीवामृत बनाने का जीवंत प्रदर्शन (Live Demo) किया गया

परियोजना संचालक डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने ने बताया की 2026 में कम वर्षा की चेतावनी को देखते हुए यह जैविक विधि सबसे कारगर है घनजीवामृत से मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ती है जिससे कम पानी में भी फसल सुरक्षित रहती है साथ ही मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है जड़ों का विकास होता है और रोग-कीटों से बचाव होता है इसे 6 महीने तक स्टोर भी किया जा सकता है और लागत भी बहुत कम आती हैइस अवसर पर आत्मा परियोजना अधिकारी डां.इंदिरा त्रिपाठीबीटीएम साहब पटैल साक्षी ओझा BRC संचालक हेमचंद असाटी गोशाला संचालक आशु त्रिपाठी सत्यम शुक्ला विकास यादव और बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित रहे सभी किसानों ने प्राकृतिक खेती अपनाने का संकल्प लिया साथ ही गौशाला प्रांगण में फलदार पौधे का रोपण भी किया गया।

युवा उत्सव में छात्राओं ने दिखाई साहित्यिक प्रतिभा

वक्तृता प्रतियोगिताओं में भारतीय ज्ञान परंपरा पर रखे विचार

कटनी,यशभारत। शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में युवा उत्सव के द्वितीय दिवस साहित्यिक विधा की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रश्न मंच में भारतीय ज्ञान परंपरा, वाद-विवाद में आधुनिक शिक्षा प्रणाली में भारतीय ज्ञान परंपरा की अनिवार्यता तथा वक्तृता में 'वसुधैव कुटुम्बकम् : वैश्विक शांति और बंधुत्व के लिए भारतीय दर्शन' विषय पर छात्राओं ने विचार रखे।प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी बौद्धिक क्षमता, तार्किक चिंतन और अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य छात्राओं में साहित्यिक अभिरुचि और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा।



मां का मंदिर का निर्माण कार्य जारी

जन सहयोग से हो रहा कार्य

पनागर, यश भारत। नगर के बड़े स्कूल गांधी वार्ड मेंनरोड स्थित नगर का प्राचीन मां शेरावालिए के मंदिर का निर्माण कर विगत अनेक माह से चल रहा है मंदिर अनेक स्थानों से क्षतिग्रस्त हो चुका था।मंदिर व्यवस्था से जुड़े अनंत चौधरी जगदीश चौरसिया विष्णु लखेरा बाबा चौरसिया शशि भूषण खरे के साथ सैकड़ो भक्तजन जो मंदिर में गहरी आस्था रखते हैं और वर्ष भर में अनेक को बड़े-बड़े कार्यक्रम के आयोजन करते हैं सभी के सहयोग से निर्माण का निर्माण कार्य कराया जा रहा है क्षेत्रीय विधायक सुशील तिवारी इंदू भैया द्वारा भी मंदिर निर्माण में सहयोग के लिए आश्वासन दिया है। निर्माण व्यवस्था समिति में जनमानस से अपील की है की निर्माण में सभी प्रदान कर मंदिर को भव्यता प्रदान करने में अपना सहयोग प्रदान करें।

मोडिफाइड साइलेंसर बाइक चालको का आतंक, पुलिस से ध्यान देने की मांग

गोसलपुर, यश भारत। गोसलपुर नगर सहित कछपुरा जुझारी बरनू तिराहा में इन दिनों मोडिफाइड साइलेंसर लगी बुलेट और स्पोर्ट्स बाइकों का आतंक चरम पर है। देर शाम से लेकर देर रात तक तेज पटाखों जैसी आवाज निकालती ये बाइकें पूरे नगर व क्षेत्र में दहशत और ध्वनि प्रदूषण फैला रही हैं लेकिन जिम्मेदार पुलिस प्रशासन मौन बैठा तमाशा देख रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के मुख्य बाजार, बस स्टैंड स्कूल रोड स्टेडियम कोचिंग सेंटर झंडा बाजार शंकर कालोनी बैंक के पास और रिहायशी मोहल्लो में रोजाना दर्जनों युवा अपनी बाइकों के साइलेंसर बदलकर तेज धमाके वाली आवाज



निकालते हुए फर्राटे भरते नजर आते हैं इनकी कर्कश आवाज से बुजुर्गों हृदय रोगियों छोटे बच्चों और विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कई बार तो अचानक हुए तेज धमाके से लोग घबरा जाते हैं और हादसे की स्थिति बन जाती है। स्थानीय नागरिक बलराम पटैल महेश तिवारी का कहना है की ये बाइकर न सिर्फ ध्वनि प्रदूषण कर रहे हैं बल्कि लापरवाही से वाहन चलाकर यातायात नियमों की भी धज्जियां उड़ा रहे हैं कई बार शिकायत करने के बावजूद पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है जिस कारण इन मनचले युवकों के हौसले और भी बुलंद होते जा रहे हैं। नगरवासियों ने पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी गोसलपुर से मांग की है की ऐसे मोडिफाइड साइलेंसर वाली बाइकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त चालानी कार्यवाही की जाए और उनके साइलेंसर जब्त किए जाएं ताकि नगर में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे।

रंगकर्मी शशिंद्र कुट्टी नायर को मातृ शोक

कटनी, यशभारत। रंगकर्मी और आर्टिस्ट शशिंद्र कुट्टी नायर की माताजी एवं जीके कुट्टी की धर्मपत्नी श्रीमती अन्नम्मा कुट्टी का गत दिवस निधन हो गया। वे 87 वर्ष की थी तथा कुछ समय से अस्वस्थ थी। निधन की खबर मिलते ही गायत्री नगर क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया। अपने मिलनसार स्वभाव की वजह से वे सभी की प्रिय थी। उनकी इच्छानुसार अंतिम संस्कार नर्मदा तक ग्वारीघाट पर संपन्न हुआ। अंतिम संस्कार में पारिवारिक मित्रों और स्नेहीजनों की मौजूदगी रही। उनके गायत्री नगर निवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने सभी वर्गों के लोग पहुंचे। यशभारत परिवार इस दुख में सहभागी है तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है।

रोल मॉडल संबाद बेटियों में जाने सफलता के मंत्र ,प्रशासनिक अधिकारियों से पाई प्रेरणा

पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गर्ल्स विद रोल मॉडल कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया

बरेला, यश भारत। पी एमश्री शासकीय कन्या शाला परिसर में छात्राओं के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास वृद्धि और कैरियर मार्गदर्शन के उद्देश्य से इंटरेक्शन ऑफ गर्ल्स विद रोल मॉडल कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया तहसीलदार श्रीमती पूर्णिमा एवं तहसीलदार श्री राजेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे अतिथियों के आगमन पर विद्यालय परिवार एवं छात्राओं ने पारंपरिक तरीके से उनका भव्य स्वागत किया छात्रों को संबोधित करते हुए तहसीलदार श्री राघवेंद्र सिंह एवं



तहसीलदार श्रीमती पूर्णिमा ने अपने-अपने विद्यार्थी जीवन में और प्रशासनिक सेवा की यात्रा को साझा किया श्रीमती पूर्णिमा ने विशेष रूप से छात्रों का उत्साह बताएं करते हुए कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है यदि आपके अंदर समर्पण लगन और सही मार्गदर्शन है तो कोई भी मंजिल कठिन नहीं है अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित रखें और अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करें इस कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य आशीष पंड्या एवं वरिष्ठ शिक्षक सतीश चौबे के निर्देश पर प्रभारी प्राचार्य मंजुला मलिक, रजनीश कुमार पाण्डेय, राम कृष्ण पटेल, मोहित नाथ,दीपा तिवारी,अर्चना गोप,हेमलता राजोरिया,सोनाली ठाकुर, शिवांगी गुप्ता, स्वाति मुखर्जी,अरुणा रावतेल, पेनजी डेनियल,रश्मि पटेल, भावना यादव ,पूर्णिमा त्रिपाठी,मधु सिंह,शिक्षक शिक्षिकाएं के साथ सभी छात्राएं उपस्थित रहीं।

मानपुर विधानसभा में कांग्रेस को मिली नई ऊर्जा

मिलनसार व ऊर्जावान नेता अरविंद तिवारी बनाए गए विधानसभा प्रभारी, कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह

बरेला, यशभारत। मध्य प्रदेश में कांग्रेस कमेटी ने आगामी राजनीतिक रणनीतियों और जमीनी स्तर पर संगठन को पूरी तरह धार देने के लिए अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूत करना शुरू कर दिया है। इसी महत्वपूर्ण कड़ी के तहत, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जबलपुर के बरेला निवासी एक अत्यंत लोकप्रिय, मिलनसार और ऊर्जावान कांग्रेस नेता अरविंद तिवारी को शहडोल संभाग के अंतर्गत आने वाले उमरिया जिले की बेहद अहम मानपुर विधानसभा सीट का नया प्रभारी नियुक्त किया है। यह जिम्मेदारी प्रदेश संगठन प्रभारी सुखदेव पांसे और उमरिया जिला संगठन प्रभारी सम्मति सैनी की पूर्ण सहमति से सौंपी गई है जिसे राजनीतिक गलियारों में कांग्रेस पार्टी की एक मास्टर स्ट्रोक और रणनीतिक रूप से बेहद अहम पहल माना जा रहा है।



300 किलो महुआ लाहन नष्ट कराया पुलिस ने

कटनी, यशभारत। बहोरीबंद पुलिस ने अवैध शराब बिक्री एवं निर्माण के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए अवैध शराब जप्त करने में सफलता प्राप्त की है । थाना बहोरीबंद पुलिस ग्राम बचैया क्षेत्र में अवैध शराब का भंडारण एवं विक्रय करने वाले व्यक्तियों के ठिकानों पर दबिश दी गई। मौके पर मनी बर्मन पिता शिवचरण बर्मन निवासी ग्राम बचैया से 10 लीटर कच्ची महुआ शराब अनुमानित कीमत 5000 रुपए की जप्त की गयी एवं करीब 300 किलो महुआ लाहन को मौके पर नष्ट किया गया।

शहपुरा में विकास कार्यों की सौगात, महाराणा प्रताप के नाम से सामुदायिक भवन का लोकार्पण

नगर परिषद में लगभग 4 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिजन

शहपुरा(भिटौनी)यशभारत। नगर परिषद शहपुरा में बरगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज सिंह के मुख्य आतिथ्य, नगर परिषद अध्यक्ष शिवांगी विक्रांत सिंह की अध्यक्षता एवं भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल के विशिष्ट आतिथ्य में नगर के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर परिषद शहपुरा द्वारा नवनिर्मित सामुदायिक भवन का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर उसका नामकरण वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के नाम पर 'वीर महाराणा प्रताप सामुदायिक भवन' किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक नीरज सिंह ने कहा कि वे नगर के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित हैं। नगर परिषद के जनप्रतिनिधि नगर की आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं से अवगत कराएं। हम सब मिलकर नगर में खेल मैदान, महाविद्यालय भवन, सांदीपनि विद्यालय भवन सहित अन्य आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने नगर परिषद अध्यक्ष शिवांगी सिंह से आग्रह किया कि मुक्तिधाम





को आदर्श मुक्तिधाम के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।नगर परिषद अध्यक्ष शिवांगी विक्रांत सिंह ने विधायक महोदय से नगर के विकास के लिए सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने का आग्रह किया तथा सभी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर शहपुरा के विकास को नई दिशा देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।इसके पश्चात नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 15 स्थित बिलखर वा में मुक्तिधाम निर्माण तथा वार्ड क्रमांक 9 भिटौनी में मुक्तिधाम निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया।कार्यक्रम में नगर परिषद की ओर से विक्रांत सिंह द्वारा विधायक नीरज सिंह एवं भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल का शाल, पुष्पहार एवं महाराणा प्रताप की फोटो स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर सनातन धर्म महासभा शहपुरा के अध्यक्ष सुभाष सिंह, एन. एस. ठाकुर, शैलेंद्र सिंह, नगर परिषद उपाध्यक्ष मोनिका शैलेन्द्र सिंह, अनिल जैन, संग्राम सिंह, भूपेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, अभय सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।पार्षदों में नूतन बादल, अनिल अग्रवाल, रविकांत साहू, आशुतोष जायसवाल, अमित राठौर, मोनू चौहान, राजा नाहर, महेंद्र सोनी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नगरवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रीकांत परिहार, धर्मेंद्र सिंह, धर्मेंद्र पटेल, प्रिंस पटेल, प्रिंस राजपूत, पत्रकार राजेश शुक्ला, जितेंद्र सिंह एवं नगर परिषद के कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिशिरकांत दुबे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।वीर महाराणा प्रताप के नाम पर सामुदायिक भवन का नामकरण नगर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत, शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

छह गांवों से निकली ग्राम तीर्थ यात्रा

कटनी,यशभारत। अखिल विश्व गायत्री परिवार जिला द्वारा रविवार को आयोजित ग्राम तीर्थ यात्रा छह गांवों से होते हुए खड़ौला खेरमाई मंदिर पहुंची। यहां विशाल दीप यज्ञ के बाद भंडारे के साथ यात्रा का समापन हुआ।सुंगरहा से शुरू हुई यात्रा में सुसज्जित बैलगाड़ी को रथ का स्वरूप दिया गया। इसमें गुरुजी, माताजी और गायत्री माता की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान और गायत्री माता के स्वरूप में बाल कलाकारों ने आध्यात्मिक संदेश दिया। ग्रामीणों ने 20 स्थानों पर आरती, पुष्पवर्षा, रंगोली और अन्नदान से यात्रा का स्वागत किया।माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित यात्रा का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नवरात्रि समूह साधना की ऊर्जा को जनजागरण और गायत्री परिवार के विचारों के प्रसार में नियोजित करना रहा। आयोजन के लिए एक माह में 500 परिवारों से संपर्क किया गया।

दीपावली के अवसर पर बच्चों को वितरित किए वस्त्र

बरेला, यशभारत। दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में के एल सोनकर इंग्लिश मीडियम स्कूल परिवार द्वारा स्कूल के छात्र - छात्राओं को वस्त्रों का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना तथा उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा करना रहा।इस अवसर पर समस्त शाला परिवार के सदस्यों के साथ समाजसेवी भगवानदास साहू, संचालक श्री मदन कुमार साहू एवं सह-संचालक श्री मयंक साहू जी की विशेष उपस्थिति रही। सभी ने इस सामाजिक एवं सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने में ही निहित है।इस सराहनीय पहल से



बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

दुखित व्यक्ति पर सभी को दया करना चाहिए

...सज्जन व्यक्ति अपने कार्य से अपनी उपयोगिता बताते हैं

पनागर,यश भारत। आचार्य कहते हैं तृष्णा को नष्ट कर, क्षमा को धारण कर, पाप में अनुराग मत कर, सत्य बोल सत्पुरुषों के पीछे चल, विद्वानों की सेवा कर,माननीयो का आदर कर , शत्रुओं से भी प्रेम कर, पीड़ितों को प्रश्रय दे, कीर्ति बड़ा और दुखित पर दया कर यह सब कर सत पुरुषों के होते हैं। सज्जन अपनी उपयोगिता कार्य सेबताते हैं, कंठ से नहीं। उपरोक्त बातें आज अपनी चातुर्मास की प्रवचन माला में पूज्य मुनि श्री 108 निर्दोष सागर महाराज जी ने विशाल जैन समूह एवं भक्तजनों के बीच बोली, आगे आपने यह भी कहा कि मौन रहने से झगड़ा नहीं होता है। इस संसार सागर में कर्तव्य लिस्ट पुरुष कभी निराश नहीं होता है। अलसी सुख रूप प्रतीत होता है परंतु उसका अंत दुख है तथा कार्य दक्षता दुख रूप

पूज्य मुनि श्री 108 निर्दोष सागर जी महाराज





प्रतीत होती है परंतु उससे सुख का उदय होता है। सौभाग्य न होना किसी के लिए दोष नहीं है, समझ कर या बिना सोचे समझे कार्य करना मूर्खता है। विघ्न के भय से काम न करना कायरता का लक्षण है, जिस कार्य के करने से अपयश और कुमति हो तथा जिससे पुण्य नष्ट हो जाए ऐसा कर्म कभी ना करें। कोई कार्य चाहे अच्छा हो या बुरा, बुद्धिमान व्यक्ति को पहले उसके परिणाम का विचार करना चाहिए बाद में काम में हाथ लगाना चाहिए। ऐसा व्यक्ति सदैव सफलता की मंजिल पाता है।

आज प्रवचन की पूर्व बड़े जैन मंदिर के बीच प्रांगण में भगवान श्री 1000 बाहुबली स्वामी मंदिर की में जबलपुर से आए श्रावक राजेश जैन इंजीनियर ,शिव नगर मोनू भैया गढ़ा पिसनहारी की मढ़िया, दादाजी मुकेश जैन दीपक जैन बंटी जैन दीपेंद्र जैन बाबा संजय जैन आशीष जैन संदीप जैन के साथ अनेक लोगों ने भगवान श्री का अभिषेक पूजन इत्यादिक धार्मिक कार्यक्रम संपन्न किया

सब-जूनियर जिला जूडो दल का गठन इंदौर में करेंगे जबलपुर का प्रतिनिधित्व



जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश जूडो एसोसिएशन के निर्देशन में इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाली आगामी सब-जूनियर राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता (दिनांक 22 से 24 नवंबर 2026) के लिए जबलपुर जिला सब-जूनियर बालक एवं बालिका जूडो दल का गठन सफलतापूर्वक किया गया।जबलपुर जिला जूडो संघ के सचिव एवं वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 नवंबर 2026 को आयोजित चयन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न भार वर्ग के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को जिला टीम में शामिल किया गया है। यह चयनित खिलाड़ी अब इंदौर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जबलपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी आगामी 12 से 16 दिसंबर 2026 तक लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में होने वाली राष्ट्रीय सब-जूनियर जूडो प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश राज्य दल का हिस्सा बनेंगे।

लोक बहादुर को एशियन हॉकी चैंपियनशिप में हॉकी इंडिया का आमंत्रण



जबलपुर, यशभारत। हॉकी मध्यप्रदेश के महासचिव लोक बहादुर को हॉकी इंडिया द्वारा सीनियर पुरुष एशियन हॉकी चैंपियनशिप में आमंत्रित किया गया। इस दौरान उन्होंने भारत और कोरिया की हॉकी टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हॉकी मध्यप्रदेश के महासचिव को आमंत्रित किया जाना प्रदेश में हॉकी गतिविधियों और खेल संगठन के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। लोक बहादुर की भारतीय एवं कोरियाई टीम से मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों और टीम सदस्यों से खेल को लेकर चर्चा भी हुई।

एडवोकेट प्रीमियर लीग में रॉयल सनराइज और एक्का ने दर्ज की जीत



जबलपुर, यशभारत। जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर द्वारा आयोजित 17वीं एडवोकेट प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता के पहले मैच में टीम एवेंजर और रॉयल सनराइज के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें रॉयल सनराइज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। मैच में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले एडवोकेट धर्मेंद्र सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मुकाबले में टीम एक्का और नवरंग के बीच भिड़ंत हुई। इस मैच में टीम एक्का ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम की। शानदार प्रदर्शन के लिए एडवोकेट कार्तिक शुक्ला को मैन ऑफ द मैच के खिताब से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा, सचिव शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष सुनीता गुप्ता, सह सचिव शैलेन्द्र यादव, पुस्तकालय सचिव रविन्द्र दत्त तथा कार्यकारिणी सदस्य रीता नोटियाल, अमित आचार्य, धीरज खुल्लर, बाबा परसाई, अमित कोहली, विकास कुमार संटू, शशि तिवारी, संजय यादव, अरुण मिश्रा, तरुण रोहितास, नईम खान, मोहित अग्रवाल, शाहरुख और रजनीश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

फुटबॉल इतिहास का सबसे बड़ा बवाल, एक गोल के बाद मैदान बना जंग का अखाड़ा,रेफरी ने दिखाए 51 रेड कार्ड, मैच रद्द

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील में अंडर-20 फुटबॉल मुकाबले के दौरान खेल भावना को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। उबरलांडिया और मामोरे के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल मुकाबले में एक गोल के बाद ऐसा विवाद भड़का कि पूरा मैदान मारपीट के अखाड़े में तब्दील हो गया। खिलाड़ियों के साथ कोचिंग स्टाफ, टीम अधिकारियों और बॉल बॉय तक ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि मुकाबला बीच में ही रद्द करना पड़ा। रेफरी ने हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 51 रेड कार्ड दिखाए। इसे फुटबॉल इतिहास में एक मैच के दौरान सबसे ज्यादा रेड कार्ड दिखाए जाने की घटना बताया जा रहा है।

यह हैरान करने वाली घटना ब्राजील के मिनास गैरैस राज्य में अंडर-20 कैम्पियोनाटो मिनेइरो (सेकंड डिवीजन) के सेमीफाइनल मुकाबले में हुई। एस्टाडियो पारके डो साबिया में उबरलांडिया और मामोरे की टीमें आमने-सामने थीं। मुकाबले के दूसरे हाफ में 54वें मिनट पर मामोरे ने गोल दागकर अपनी बढ़त 3-1 कर दी। इसके बाद मैदान पर तनाव शुरू हुआ और देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया।

गोल के बाद विपक्षी टीम को चिढ़ाना पड़ा भारी

रेफरी फर्नांडो पैट्रिक ड्रोसघिक मोडेस्टो की आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, मामोरे के फॉरवर्ड डावी ने गोल करने के बाद विपक्षी टीम के बेंच की ओर दौड़



लगाई और वहां मौजूद स्थानापन्न खिलाड़ियों तथा स्टाफ को चिढ़ाया। इस हरकत से उबरलांडिया के खेमे में नाराजगी फैल गई। इसी दौरान टीम के गोलकीपिंग कोच पाउलो सर्जियो डायस डॉस सैंटोस मैदान में घुस आए और डावी से भिड़ गए। दोनों के बीच शुरू हुई कहासुनी जल्द ही हाथापाई में बदल गई। इसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी भी झड़प में कूद पड़े।विवाद बढ़ने पर दोनों टीमों के स्थानापन्न खिलाड़ी, तकनीकी स्टाफ और अधिकारी भी मैदान में पहुंच गए। रेफरी की रिपोर्ट में छह बॉल बॉय के भी हिंसा में शामिल होने का उल्लेख है। आरोप है कि उन्होंने मामोरे के सदस्यों पर सामान, कुर्सियों और स्ट्रेचर से हमला किया। स्टेडियम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थिति नियंत्रित करने के लिए स्थानीय सैन्य पुलिस को बुलाना पड़ा।

घटना के बाद दोनों टीमों के खेमों की ओर से तोड़फोड़ के आरोप भी सामने आए। बताया गया कि उबरलांडिया के अधिकारियों ने मामोरे के सदस्यों के उपकरणों को नुकसान पहुंचाया, जबकि मामोरे के सदस्यों पर घरेलू टीम के ड्रेसिंग रूम में तोड़फोड़ करने का आरोप लगा। हिंसा और सुरक्षा व्यवस्था बिगड़ने के कारण मैच को आगे जारी रखना संभव नहीं हो सका और मुकाबला रद्द कर दिया गया।

36 रेड कार्ड का पुराना रिकॉर्ड भी टूटा

इस मुकाबले में रेड कार्ड की संख्या ने फुटबॉल जगत को चौंका दिया। हिंसा शुरू होने से पहले ही तीन खिलाड़ियों को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर किया जा चुका था। इसके बाद रेफरी ने अपनी आधिकारिक रिपोर्ट में झड़प में शामिल 48 अन्य लोगों को भी रेड कार्ड दिया। इस तरह कुल 51 रेड कार्ड जारी किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें 43 खिलाड़ी, आठ सपोर्ट स्टाफ सदस्य और दो बोर्ड अधिकारी शामिल थे।इससे पहले एक फुटबॉल मैच में सबसे ज्यादा रेड कार्ड दिखाए जाने का रिकॉर्ड अर्जेंटीना के क्लब क्लेपोल और विक्टोरियानो एरेनास के नाम था। वर्ष 2011 में पांचवें डिवीजन के मुकाबले के दौरान रेफरी ने कुल 36 रेड कार्ड दिखाए थे। ब्राजील के इस मुकाबले में 51 रेड कार्ड जारी होने के साथ ही पुराना रिकॉर्ड काफी पीछे छूट गया। फुटबॉल के मैदान पर अनुशासन और खेल भावना की मिसाल पेश करने के बजाय हुई इस हिंसक घटना ने खेल जगत में खिलाड़ियों और अधिकारियों के आचरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

38 साल के हुए विराट कोहली, क्रिकेट जगत ने दी बधाई

रैना बोले- एक बार किंग, हमेशा किंग; रवि शास्त्री ने मजाकिया अंदाज में कहा- 38 के हो रहे हो,

मुंबई, यशभारत। भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली गुरुवार को 38 साल के हो गए। उनके जन्मदिन पर क्रिकेट जगत से बधाइयों का सिलसिला जारी रहा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सोशल मीडिया पर खास अंदाज में उन्हें शुभकामनाएं दीं। दोनों ने विराट के शानदार क्रिकेट करियर, खेल के प्रति जुनून और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना की।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्हें किंग बताया। रैना ने लिखा कि उनकी शानदार कवर ड्राइव और यादगार रन चेज ने क्रिकेट प्रशंसकों को कई अविस्मरणीय पल दिए हैं। खेल के प्रति उनका जुनून, मुश्किल परिस्थितियों में संघर्ष करने का जज्बा और जीतने की भूख ही उन्हें दूसरे खिलाड़ियों से अलग बनाती है। रैना ने कहा कि विराट को बल्लेबाजी करते देखना हमेशा खुशी का अनुभव रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विराट इसी तरह



लोगों को प्रेरित करते रहेंगे और भारतीय क्रिकेट को गौरवान्वित करेंगे। अपने संदेश के अंत में रैना ने लिखा, %एक बार किंग, हमेशा किंग।

वहीं, पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में विराट को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विराट की बल्लेबाजी करते हुए एक तस्वीर साझा की और लिखा कि जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई चैंपियन। 37वें साल के आखिरी दिनों में भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हो। इसी तरह अपना खेल जारी रखो। शास्त्री ने अपने संदेश में मजाकिया अंदाज में लिखा कि वह 38 साल के हो रहे हैं, लेकिन दिखने में 36 के लगते हैं। उनके इस संदेश ने प्रशंसकों का ध्यान खींचा।

विराट कोहली ने अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में बल्लेबाजी के कई बड़े कीर्तिमान स्थापित किए हैं। टेस्ट, वनडे और टी-20 क्रिकेट में उन्होंने अपनी निरंतरता, तकनीक और आक्रामक खेल से अलग पहचान बनाई है। विशेष रूप से वनडे क्रिकेट में उनके शतकों और लक्ष्य का पीछा करते हुए खेली गई यादगार पारियों ने उन्हें दुनिया के महान बल्लेबाजों की कतार में खड़ा किया है।विराट का जन्मदिन ऐसे समय आया है, जब वह मैदान पर भी शानदार लय में नजर आ रहे हैं। बुधवार को ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 74 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित किया कि उम्र के इस पड़ाव पर भी रनों की भूख और बड़े मुकाबलों में योगदान देने का उनका जज्बा बरकरार है। यही वजह है कि क्रिकेट प्रशंसकों के बीच विराट कोहली का कद आज भी उतना ही बड़ा है।

सेंट एलॉयसिस सदर का गोलों से धमाका



VND फाउंडेशन इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में

जबलपुर, यशभारत। जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में शिवाजी ग्राउंड सदर में खेली जा रही VND फाउंडेशन इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता में बुधवार को दो मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में सेंट एलॉयसिस स्कूल सदर ने गोयनका स्कूल को 9-1 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे मुकाबले में सेंट थॉमस स्कूल ने सत्य प्रकाश स्कूल को 8-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।पहले मुकाबले में सेंट एलॉयसिस सदर ने शुरुआत से ही आ ामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने मैच के पांचवें मिनट में पहला गोल दागकर बढ़त बनाई। इसके बाद 15वें और 20वें मिनट में लगातार दो गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। गोयनका स्कूल ने 22वें मिनट में गोल कर वापसी की कोशिश की और स्कोर 3-1 किया, लेकिन सेंट एलॉयसिस के खिलाड़ियों ने दबाव बनाए रखा। 30वें मिनट में एक और गोल के साथ मध्यांतर तक टीम 4-1 से आगे रही। मध्यांतर के बाद भी सेंट एलॉयसिस का आ ामक प्रदर्शन जारी रहा। टीम ने 40वें, 45वें, 50वें, 60वें और 70वें मिनट में लगातार पांच गोल दागकर स्कोर 9-1 पहुंचा दिया। इस तरह सेंट एलॉयसिस सदर ने एकतरफा मुकाबले में 9-1 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। दिन का दूसरा मुकाबला सत्य प्रकाश स्कूल और सेंट थॉमस स्कूल के बीच खेला गया। इस मैच में सेंट थॉमस ने शुरुआत से ही विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। टीम ने पांचवें मिनट में पहला गोल किया, जबकि 12वें और 15वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर बढ़त 3-0 कर दी। इसके बाद 35वें मिनट में चौथा गोल कर मध्यांतर तक स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे हाफ में सत्य प्रकाश स्कूल ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन सेंट थॉमस की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर सेंट थॉमस ने 50वें, 55वें, 60वें और 65वें मिनट में चार और गोल कर स्कोर 8-0 कर दिया। निर्धारित समय समाप्त होने पर सेंट थॉमस स्कूल ने 8-0 से शानदार जीत दर्ज की।

रंग संसार



अभिनेत्री कनिका मान ने बताई पूर्व प्रेमी की हैवानियत भरी कहानी

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री कनिका मान ने हाल ही में अपने जीवन के एक दर्दनाक अध्याय को साझा करते हुए अपने पहले रिश्ते के भयावह अनुभवों का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि किस तरह उनका पूर्व प्रेमी उनके साथ शारीरिक और भावनात्मक रूप से बुरा बर्ताव करता था, जिसने उनकी जिंदगी को नर्क बना दिया था। इस आपबीती ने उन कई महिलाओं की कहानी को सामने लाया है, जो ऐसे रिश्तों में फंसकर हिंसा का शिकार होती हैं। कनिका ने बताया कि कॉलेज के दिनों में जब उनका पहला बॉयफ्रेंड बना, तो वह मानसिक रूप से अस्थिर था और बेहद बुरा बर्ताव करता था। कनिका ने एक डरावनी घटना साझा की, जब उनके पूर्व प्रेमी ने बिना बताए उनकी क्लास में आकर उन्हें केवल धारीदार सूट पहनने की वजह से पूरे कॉरिडोर के सामने इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि उनके कानों से खून बहने लगा। उस समय उनके कानों में हाल ही में छेद करवाए गए थे। उन्होंने बताया कि उस वक्त कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया, जिसने उन्हें और भी अकेला महसूस कराया। यह केवल एक घटना नहीं थी। कनिका ने बताया कि उनका पूर्व प्रेमी उनके हर कदम पर नजर रखता था, उन्हें नियंत्रित करने की कोशिश करता था और उनका फोन छीनकर भीड़ में फेंक देता था। एक बार उसने उनके हॉस्टल के कमरे की चाबियां भी फेंक दी थीं, जिससे वह मुश्किल में पड़ गई।

कृति सेनन ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म ऑब्सेशन के हिंदी संस्करण को दी अपनी आवाज



मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री कृति सेनन एक बार फिर अपने एक खास प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा का विषय बन गई हैं। इस बार उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म, ऑब्सेशन के हिंदी संस्करण के लिए अपनी आवाज दी है, जिसके लिए वह बेहद उत्साहित हैं। कृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डबिंग सेशन की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं, जिनमें उनके साथ फिल्म भेड़िया के निर्देशक अमर कौशिक और उनके को-स्टार वरुण धवन भी नजर आए। इस तिकड़ी की मुलाकात ने फैंस को उनकी पुरानी ऑनस्क्रीन जोड़ी और पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री की याद दिला दी।

कृति ने अपने पोस्ट में बताया कि ऑब्सेशन जैसी शानदार फिल्म की सशक्त परफॉर्मेंस को हिंदी में अपनी आवाज देना उनके लिए एक अनूठा और बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने विशेष रूप से फिल्म में इंडेना नवरेटे के अभिनय की जमकर तारीफ की। कृति ने कहा कि डबिंग के दौरान इंडेना की परफॉर्मेंस को देखकर उनके एक बार फिर रोंगटे खड़े हो गए। अभिनेत्री के मुताबिक, यह एक बेहद शानदार फिल्म है जिसमें सभी कलाकारों ने अद्भुत काम किया है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट का एक छोटा-सा हिस्सा बनने पर अपनी खुशी भी व्यक्त की, जो उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव जोड़ता है। डबिंग स्टूडियो में वरुण धवन और अमर कौशिक के साथ उनकी मुलाकात भी उनके पोस्ट का एक अहम हिस्सा बनी।

कृति ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि जब वुल्फपैक को किसी चीज का जुनून चढ़ जाए, तो कुछ ऐसा ही होता है। यह टिप्पणी उनकी हिट फिल्म भेड़िया के संदर्भ में थी, जहां तीनों ने साथ काम किया था। कृति ने दोनों के साथ दोबारा मिलना और काम के सिलसिले में एक साथ समय बिताना यादगार बताया और उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया। यह मुलाकात उनके प्रशंसकों के लिए भी एक ट्रीट थी, जो उन्हें फिर से एक साथ देखने का इंतजार कर रहे थे। ऑब्सेशन के हिंदी वर्जन के दो प्रमोशनल वीडियो भी कृति की आवाज में जारी किए जा चुके हैं।





किंग के नए गाने में सुहाना खान की पहली झलक को लेकर अटकलें

मुंबई (यशभारत)। अभिनेता शाहरुख खान की आने वाली फिल्म किंग को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। हाल ही में फिल्म का नया गाना तू मिल जाए जारी किया गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। इस रोमांटिक गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। हालांकि, इस गाने के साथ एक और बात सुर्खियों में आ गई है। कई फैंस यह दावा कर रहे हैं कि उन्हें इस गाने में शाहरुख खान की बेटी, सुहाना खान की भी एक झलक देखने को मिली है। इस कथित झलक ने सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है और लोग फिल्म में उनके किरदार को लेकर कयास लगा रहे हैं। यह खास सीन गाने के लगभग दो मिनट बाद आता है, जो देखने में एक एक्शन सीक्वेंस का हिस्सा प्रतीत होता है। इसमें एक लड़की आग की लपटों से घिरे एक घर की तरफ देखती हुई नजर आती है। हालांकि, लड़की का चेहरा स्पष्ट रूप से नहीं दिखता, लेकिन फैंस का मानना है कि यह सुहाना खान ही हैं, जिन्होंने शायद फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस छोटी सी झलक ने दर्शकों के बीच कई तरह की अटकलें पैदा कर दी हैं। एक फैन ने कमेंट किया, सुहाना खान? वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, मुझे लगता है कि किंग के नए गाने में ये सुहाना खान ही हैं। कुछ ने इससे भी आगे बढ़कर सवाल किए, जैसे क्या सुहाना खान किसी चीज का सिर पकड़े हुए हैं?

अमिताभ बच्चन ने गलत खबर पर मीडिया को लताड़ा

मुंबई (यशभारत)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपने ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में मीडिया में छपी एक खबर को लेकर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। अमिताभ ने आरोप लगाया है कि उनके शब्दों को मीडिया प्रचार के लिए गलत संदर्भ में पेश कर रहा है। इतना ही नहीं, सदी के महानायक ने इसके लिए मीडिया को कड़ी चेतावनी भी दी है। दरअसल, मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक पोस्ट साझा किया था, जिसमें उन्होंने भगवान कृष्ण के लिए अक्सर इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक पंक्ति, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की से जुड़ा एक भावुक संदेश और ब्लॉग लिखा था। अमिताभ का कहना है कि मीडिया ने इन शब्दों को तोड़मरोड़कर प्रस्तुत किया है।

अमिताभ ने स्पष्ट किया कि उनका पोस्ट वास्तव में भगवान कृष्ण के प्रति एक प्रार्थना थी और उनके शब्द न किसी राजनीतिक बयान का हिस्सा थे, न ही किसी विरोधी पर उन्होंने कोई तंज कसा था। उन्होंने कहा कि मीडिया ने ऐसी



खबर छापकर धार्मिक नजरिए से भी गलत किया है और इसे धर्म का निरादर भी बताया है। अपनी पोस्ट में, अमिताभ ने मीडिया में संबंधित खबर की हैडिंग का भी जिक्र किया, जिसमें उनके शब्दों को गलत तरीके से चुनौती के रूप में पेश किया गया था। उन्होंने कहा, और मीडिया उसका निरादर करके, अपना प्रचार करने के लिए, छापता है, देखिए ये अमिताभ अपने विरोधियों को चुनौती दे रहा है, की, ले आओ हाथी घोड़ा हम अपने हथियारों से लड़ेंगे, डरेंगे नहीं ! एक तो घोर निंदा एक जय श्री कृष्ण के उपलक्ष्य में, और दूसरा , शब्दों को पलट कर विरोधियों को चुनौती देने की बात कर रहे है।

अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए, दिग्गज अभिनेता ने मीडिया को एक कड़ा संदेश भी दिया, जिसमें कहा गया कि उनके पांच करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं और अगर उन्हें केवल एक इशारा भी मिल जाए तो उनमें से दस प्रतिशत भी उनके समर्थन में आ जाएंगे, जिससे स्थिति भारी पड़ सकती है। मेगास्टार ने अपने पोस्ट के जरिए यह भी कहा कि जब किसी सार्वजनिक हस्ती से गलती होती है, तो वे तुरंत माफी मांग लेते हैं और सुधार करने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब किसी भी मीडिया की तरफ से गलती होती है, तो उनकी तरफ से कोई माफी नहीं आती है।

‘नौकरी’ के नाम पर ‘नेटवर्क मार्केटिंग’ का खेल!

ग्रीन सिटी स्थित एसार्ट कंपनी में एसडीएम का छापा, अब जीएसटी विभाग कसेगा शिकंजा

जबलपुर, यशभारत।

शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों से रोजगार की तलाश में आने वाले सीधे-साधे और गरीब परिवारों के युवाओं को झांसा देकर उनसे भारी रकम ऐंठने और फिर उन्हें नेटवर्क मार्केटिंग के दलदल में धकेलने के मामले में बुधवार को प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई की गई है। प्राप्त शिकायतों के बाद बुधवार को आधारताल एसडीएम के साथ प्रशासनिक अमले ने कंपनी के कार्यालय पर औचक जांच की, जहां शुरुआती जांच में ही कई गंभीर खामियां पाई गईं। स्थिति को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने आगे की वित्तीय व कर संबंधी जांच के लिए जीएसटी के अधिकारियों को सूचित कर दिया है, और अब जीएसटी की टीम भी इस पूरे मामले की गहराई से जांच करेगी।



कागजी वैधता की आड़ में ग्राउंड लेवल पर गोलमाल

दस्तावेजी रूप से देखा जाए तो Dynamic Beneficial Accord Marketing Pvt. Ltd. (Asort) भारत सरकार के विभिन्न विभागों में पंजीकृत कंपनी है। इसके पास आईएसओ (ISO) सर्टिफिक्रेट, जीएसटी रजिस्ट्रेशन, ट्रेडमार्क और जबलपुर नगर निगम का ट्रेड लाइसेंस भी उपलब्ध है? लेकिन असली समस्या कंपनी के ग्राउंड एजेंटों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के काम करने के तरीके में है। कंपनी अपनी ‘ट्रांसपेरेंसी पॉलिसी’ में यह दावा करती है कि वह किसी को नौकरी देने का वादा नहीं करती और फर्जी जॉब पोस्टिंग के खिलाफहै। इसके बावजूद, जमीनी स्तर पर अधिक से अधिक कमीशन कमाने की होड़ में एजेंट ग्रामीण युवाओं से यह बात छिपाते हैं कि यह नेटवर्क मार्केटिंग है। वे बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं को ÷सरकारी/प्राइवेट नौकरी और फिक्स सैलरी÷ का लालच देकर फंसाते हैं।

यह पूरी जांच डायनामिक बेनिफिशियल एकॉर्ड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी से जुड़ी है, जिसके पास कागजी तौर पर तो तमाम लाइसेंस और पंजीकरण मौजूद हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इसके संचालन के तौर-तरीके गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?

शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया और परिचितों के माध्यम से जबलपुर शहर में आकर्षक सैलरी (15,000 से 20,000 रुपये प्रति माह) और ट्रेनिंग के नाम पर बुलाया गया था। अभ्यर्थियों को शुरुआत में यह भरोसा दिलाया गया था कि यह एक नियमित जॉब है। शहर पहुंचने के बाद रहने, खाने, रजिस्ट्रेशन और ट्रेनिंग के नाम पर उनसे 8000 रुपये तक की निश्चित फीस जमा करवा ली गई। कुछ दिनों की तथाकथित ‘ट्रेनिंग’ के बाद जब असलियत सामने आई, तो युवाओं के पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्हें पता चला कि यहां न तो कोई तय सैलरी है और न ही कोई फिक्स नौकरी। इसके बजाय उन्हें ‘चेन मार्केटिंग’ के सिस्टम में धकेल दिया गया, जहां उन्हें अपने नीचे अन्य लोगों को जोड़कर महंगे फैशन प्रोडक्ट्स बेचने और कमीशन कमाने का दबाव बनाया जाने लगा। जब युवाओं ने नौकरी न मिलने पर अपने पैसे वापस मांगे, तो कंपनी के स्थानीय संचालकों ने दोटूक मना कर दिया, जिसके बाद मामला प्रशासन तक पहुंचा।

छोटे शहरों में जड़ें जमा रहा है यह रैकेट

जबलपुर जैसे संभाग मुख्यालयों में यह इकलौती संस्था नहीं है। शहर के विभिन्न इलाकों में छोटे-छोटे किराए के कमरों और कमर्शियल हब में ऐसी कई छद्म एजेंसियां सक्रिय हैं। ये एजेंसियां सतना, रीवा, मंडला, सिवनी, जौनपुर और आसपास के गरीब व मध्यमवर्गीय इलाकों के सीधे-साढ़े युवाओं को अपना निशाना बनाती हैं। पैसे ऐंठने के बाद जब युवा विरोध करते हैं, तो उन्हें ‘ट्रेनिंग और मेंटेनेंस का खर्च’ बताकर धमकाकर भगा दिया जाता है। बुधवार को एसडीएम और प्रशासनिक अमले द्वारा की गई कार्रवाई और अब जीएसटी विभाग की जांच शुरू होने के बाद कंपनी के संचालकों में हड़कंप मच गया है। देखना यह होगा कि जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद प्रशासन युवाओं को भ्रमित कर उनसे अवैध वसूली करने वाले इस स्थानीय रैकेट पर क्या ठोस और मिसाल कायम करने वाली कार्रवाई करता है।

शिकायत के बाद पहुंची टीम

बुधवार की कार्रवाई: एसडीएम (अधारताल) और प्रशासनिक अमले द्वारा कंपनी के ठिकानों पर औचक जांच और खामियों का खुलासा।

जीएसटी की एंट्री: वित्तीय अनियमितताओं और कर संबंधी पहलुओं की जांच अब जीएसटी विभाग की टीम द्वारा की जाएगी।

फर्जी प्रलोभन: सोशल मीडिया व एजेंटों के जरिए 15,000 से 20,000 रुपये महीने की फिक्स नौकरी का झांसा।

वसूली का खेल: ट्रेनिंग और रजिस्ट्रेशन के नाम पर प्रति युवा 10,000 से 50,000 रुपये तक की अवैध वसूली।

कागजी वैधता बनाम हकीकत: कंपनी के पास पैन, आईएसओ, ट्रेडमार्क और जबलपुर नगर निगम का ट्रेड लाइसेंस मौजूद है, लेकिन ग्राउंड पर ‘डायरेक्ट सेलिंग’ की आड़ में जॉब स्कैम चलाया जा रहा है।

सीजीएचएस के नियमों में बड़ा बदलाव

अब गंभीर बीमारियों से पीड़ित आश्रित बेटों एवं भाइयों के लिए उम्र और वैवाहिक स्थिति में छूट

जबलपुर , यशभारत ।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत सरकार) ने केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (CGHS) के तहत एक महत्वपूर्ण कार्यालय ज्ञापन जारी किया है। इसके तहत गंभीर या असाध्य बीमारियों से पीड़ित आश्रित बेटों और भाइयों के मामलों में, उम्र और वैवाहिक स्थिति के मानदंडों में ढील देते हुए सीजीएचएस सुविधाओं को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

मंत्रालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित आयु सीमा से अधिक उम्र के आश्रित बेटों और भाइयों, जो गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं, के मामलों पर विकेंद्रीकृत एसटीएफ(STC) तंत्र के तहत विचार किया जा सकता है। चूंकि सीजीएचएस में कोई स्थायी मेडिकल बोर्ड नहीं है, इसलिए संबंधित विशेषज्ञ की सलाह और सरकारी विशेषज्ञ के नुस्खे को स्थानीय तकनीकी समिति द्वारा परीक्षा के लिए चिकित्सा अनुशंसा के रूप में स्वीकार किया जाएगा। एडी स्तर पर एलटीसी की संस्तुति के आधार पर सीजीएचएस कार्ड जारी या विस्तारित किया जाएगा।

वार्षिक आधार पर कार्ड जारी होना

इस छूट के तहत सीजीएचएस कार्ड शुरू में एक वर्ष के आधार पर जारी किए जाएंगे। एक वर्ष के बाद कार्ड का नवीनीकरण बीमारी की निरंतर प्रकृति को दर्शाने वाले नए मेडिकल/उपचार रिकॉर्ड प्रस्तुत करने के आधार पर किया जाएगा। मंत्रालय ने सीजीएचएस निदेशालय से यह अनुरोध किया है कि इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं।

पांच दिवसीय दीपोत्सव की शुरूआत कल धनतेरस से

जबलपुर, यशभारत। रोशनी, उमंग और खुशियों का पांच दिवसीय दीपोत्सव इस वर्ष 6 नवंबर, शुक्र वार को धनतेरस के साथ शुरू होगा। धनतेरस को हिंदू धर्म में धन, आरोग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इस दिन सोना-चांदी, बर्तन, वाहन और अन्य नई वस्तुओं की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। यही वजह है कि धनतेरस के साथ ही बाजारों में खरीदारी की रौनक बढ़ जाती और सराफा, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा ऑटोमोबाइल कारोबार में विशेष उत्साह देखने को मिलता है। बाजार सज गए हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन परिवार की सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। शाम को यमराज के निमित्त दीपदान करने की भी परंपरा है। इस वर्ष धनतेरस की त्रयोदशी तिथि 6 नवंबर को सुबह लगभग 10 बजकर 30 मिनट से शुरू होकर 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि होने के कारण धनतेरस का पर्व 6 नवंबर को मनाया जाएगा।

सोना-चांदी और बर्तन खरीदने के शुभ समय

ज्योतिषाचार्य पं. लोकेश व्यास के अनुसार धनतेरस पर खरीदारी के लिए सुबह से ही शुभ चौघड़िया मुहूर्त रहेंगे। पंचांग के अनुसार अमृत चौघड़िया सुबह 9 बजकर 25 मिनट से 10 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। इसके बाद शुभ चौघड़िया दोपहर 12 बजकर 10 मिनट से 1 बजकर 33 मिनट तक और चर चौघड़िया शाम 4 बजकर 18 मिनट से 5 बजकर 41 मिनट तक रहेगा। इन समयों में सोना, चांदी, पीतल, तांबे और स्टील के बर्तन सहित अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुएं खरीदी जा सकती हैं। धार्मिक मान्यता है कि धनतेरस पर खरीदी गई नई वस्तुएं घर में सुख-समृद्धि और सौभाग्य लेकर आती हैं।

समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे भगवान धन्वंतरि- धनतेरस का धार्मिक और पौराणिक महत्व भगवान धन्वंतरि से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उन्हें आयुर्वेद और चिकित्सा का देवता माना जाता है। इसी कारण इस दिन उनकी पूजा कर परिवार के सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और निरोगी जीवन की कामना की जाती है। माता लक्ष्मी को धन और वैभव की देवी तथा भगवान कुबेर को धन-संपत्ति का अधिपति माना गया है। इस दिन तीनों की पूजा का विशेष महत्व है।



त्यौहारी सीजन में अवैध रिफिलिंग का बड़ा खेल

कमर्शियल सिलेंडरों में भरी जा रही घरेलू गैस, जांच पर उठ रहे सवाल

जबलपुर, यशभारत। त्यौहारों के समय जबलपुर जिले के होटल और रेस्टोरेंटों में गैस सिलेंडरों के उपयोग को लेकर एक बड़ा खेल सामने आ रहा है। प्रशासनिक जांच से बचने के लिए होटलों में सामने तो कमर्शियल (19 किग्रा) गैस सिलेंडर रखे जाते हैं, लेकिन उनके भीतर गैस की रिफिलिंग अवैध रूप से सस्ते घरेलू (14.2 किग्रा) गैस सिलेंडरों से की जा रही है।



अनुपात की जांच: संस्थान में प्रतिदिन बन रहे खाद्यान्न के अनुपात में कमर्शियल सिलेंडरों की रिफिलिंग हिस्ट्री और बिलों की जांच की जाए।

इन प्रमुख बिंदुओं पर होनी चाहिए गहराई से जांच:

सप्लाई चैन का खुलासा: होटल संचालकों को इतनी बड़ी मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर आखिर उपलब्ध कौन करा रहा है?

एजेंसियों की भूमिका: किस गैस एजेंसी की मिलीभगत से यह अवैध सप्लाई हो रही है?

प्रशासन को महज सिलेंडरों की मौजूदगी देखने के बजाय, गैस एजेंसियों के रिकॉर्ड और खपत के अनुपात की जमीनी जांच करनी होगी, ताकि इस बड़े फर्जीवाड़े और अधिकारियों की साठ-गांठ का पर्दाफाश हो सके।

कीमतों का बड़ा अंतर (खेल की मुख्य वजह)

सिलेंडर का प्रकार	वजन	वर्तमान दर (लगभग)
घरेलू सिलेंडर	14.2 किग्रा	948.50
कमर्शियल सिलेंडर	19 किग्रा	3,041.00

दोनों सिलेंडरों के दामों में भारी अंतर होने के कारण ही होटल संचालक ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में इस अवैध रिफिलिंग का सहारा ले रहे हैं।

जांच टीम को गुमराह करने का अनोखा पैटर्न

कागजों में खपत: बड़े होटलों में खपत के हिसाब से रोजाना 1 से 2 कमर्शियल सिलेंडर खाली होने चाहिए, लेकिन कागजों में इन्हें 2 से 3 महीने में सिर्फएक बार रिफिल कराया जा रहा है।

मौके पर स्थिति: जब जांच टीमें पहुंचती हैं, तो उन्हें कमर्शियल सिलेंडर ही चालू मिलते हैं, जो इस बात का सीधा प्रमाण है कि रिफिलिंग घरेलू गैस से की जा रही है।

साठ-गांठ का आरोप: पूर्व में सामने आए ऐसे मामलों को कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की साठ-गांठ से दबा दिया गया।

नीमखेड़ा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और जच्चा-बच्चा की मौत

बरेला, जबलपुर, यशभारत। जिले की गौर सालीवाड़ा पंचायत के अंतर्गत आने वाले नीमखेड़ा गांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता स्वाति महोबिया की इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना में जच्चा और बच्चा दोनों की जान चली गई, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। परिजनों ने सीधे तौर पर स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।



क्या है पूरा मामला- प्राप्त जानकारी के अनुसार, नीमखेड़ा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में सेवाएं देने वाली स्वाति महोबिया को प्रसव के लिए लगभग तीन दिन पहले विक्टोरिया या संबंधित स्वास्थ्य केंद्र से एल्गिन अस्पताल (अस्पताल के नाम के अनुसार) रेफर किया गया था। परिजनों का आरोप है कि एल्गिन अस्पताल पहुंचने के बाद उनकी स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया गया और वहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।परिजनों का कहना है कि यदि समय पर सही इलाज मिल जाता, तो जच्चा और बच्चा दोनों को बचाया जा सकता था। आरोप है कि अस्पताल के चक्कर काटने और डॉक्टरों की कथित लापरवाही व उदासीनता के कारण स्थिति बिगड़ती चली गई, जिसके परिणामस्वरूप प्रसूता और नवजात दोनों की ही मौत हो गई।

परिजनों और ग्रामीणों का फूटा गुस्सा- घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के तंत्र पर सवाल उठाते हुए कहा है कि यदि सरकारी अस्पतालों में इस तरह की लापरवाही होती रहेगी, तो आम गरीब और कामकाजी महिलाएं कहां जाएंगी? उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और लापरवाह स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है।

करवट ले रहा मौसम, रात के तापमान में हो रही गिरावट

जबलपुर यश भारत। मध्य प्रदेश में अब मौसम करवट लेने लगा है और अब ठंड बढ़ने लगी है। यद्यपि दिन के तापमान में कोई विशेष परिवर्तन शुरू नहीं हुआ है। अपितु दिन प्रतिदिन रात में पारा नीचे आने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार दीपावली के बाद दिन और रात का तापमान नीचे आने लगेगा। बताया जाता है कि बीती रात तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2 डिग्री कम रहा। जबकि इसके पूर्व रात का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। मौसम विभाग के अनुसार पिछले दिनों से जबलपुर के तापमान में 1से 2 डिग्री गिरावट आई है। जबलपुर में पिछले दिन अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री रहा। जबकि मंडला जिले में दिन का तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।















स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम विवेकानंद वार्ड जबलपुर से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक प्रवीण अग्रहरि, संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे
RNI No. MPHIN/2007/18675। फोन-2643333 email - jabalpur@yashbharat.co.in। (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)